



टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

“मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके।”

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:



ज़्यादातर समय उदास या घबराहट महसूस होना



पढ़ाई, नौकरी या पैसे की चिंता होना



नींद से जुड़ी समस्याएँ होना



खुद को नुकसान पहुँचाने या आत्महत्या के विचार आना



परिवार या रिश्तों में समस्याएँ होना



शराब या अन्य नशे की समस्या होना



मोबाइल का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल करना



मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई अन्य समस्या होना

टेली मानस ऐप
डाउनलोड करें और
स्व-देखभाल सामग्री
तथा वेलनेस अभ्यास
मॉड्यूल देखें।



- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए 'अस्मी' से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

CBC 17193/13/0002/2627



टेली मानस को कॉल करें

14416

टोल-फ्री नंबर

यहाँ
स्कैन
करें



टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए।



चिंतन सोशल मीडिया पर जवाबदेही जरूरी

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद और मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सूचना, राजनीति, कारोबार और जनमत निर्माण की एक ऐसी ताकत बन चुका है, जिसका प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ता है। करोड़ों लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली सूचनाओं को सच मानकर आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में इन प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित या हटाई जाने वाली सामग्री के पीछे काम करने वाली तकनीक और उसके संचालकों की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। एग्लोरिदम की गलती को जवाबदेही से अलग नहीं किया जा सकता। भारत सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच 5 और 6 अगस्त को होने वाली बैठक इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने मेटा के प्रतिनिधियों को तलब कर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मॉडरियल यानी सीएसएसएम पर नियंत्रण में कथित चूक, फर्जी और सिंथेटिक एआई कंटेंट तथा बड़े नेताओं के वॉरफाइल अकाउंट्स पर गलत कारंवाई जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाब मांगा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा कंपनी के अब तक के जवाबों को नाकाफी माना जाना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्लेटफॉर्म की कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था को अधिक गंभीरता से परखना चाहती है। सबसे गंभीर विषय बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री है। यदि किसी प्लेटफॉर्म के विज्ञापन तंत्र या मॉडरेशन सिस्टम से ऐसी सामग्री गुजर जाती है तो इसे सामान्य तकनीकी चूक कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यहां सवाल किसी एक पोस्ट या एक अकाउंट का नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जो सामग्री को पहचान, समीक्षा और विज्ञापन को मंजूरी देती है। बच्चों की सुरक्षा के मामले में ‘मशीन से गलती हो गई’ कोई पर्याप्त जवाब नहीं हो सकता। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो का कुछ समय के लिए हटना भी तकनीकी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। यदि मेटा के अनुसार यह तकनीकी त्रुटि थी और बाद में सामग्री बहाल कर दी गई, तो कंपनी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गलती किस स्तर पर हुई और उसे दोबारा रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए। किसी भी आम नागरिक की सामग्री गलत तरीके से हटाना भी अनुचित है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक खाते से जुड़ी सामग्री के मामले में पारदर्शिता की अपेक्षा और बढ़ जाती है। कंटेंट हटाने और अकाउंट पर कारंवाई के स्पष्ट नियम होने चाहिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था के बारे में अधिक पारदर्शी होना होगा। किस आधार पर कोई पोस्ट हटाई गई, किस स्तर पर उसकी समीक्षा हुई, अपील की क्या व्यवस्था है और गंभीर चूक होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी? ये ऐसे सवाल हैं जिनका स्पष्ट जवाब दिया जाना जरूरी है। विशेष रूप से एआई के बढ़ते इस्तेमाल के दौर में फर्जी और सिंथेटिक कंटेंट की पहचान बड़ी चुनौती बन रही है। ऐसे में केवल मशीनों के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं होगा। मशीन निर्णय ले सकती है, लेकिन अंतिम जवाबदेही इंसानी व्यवस्था की ही होनी चाहिए। तकनीकी गलती हो सकती है, लेकिन उस गलती को सुधारने, कारण बताने और भविष्य में उसकी पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी कंपनी की होनी चाहिए। सरकार और मेटा को स्पष्ट सुरक्षा मानक, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, पारदर्शी मॉडरेशन व्यवस्था और गंभीर चूक पर जवाबदेही की ठोस व्यवस्था निकालनी चाहिए। डिजिटल दुनिया में आजादी और सुरक्षा के बीच संतुलन तभी कायम होगा, जब तकनीक को ताकत मिले, लेकिन जवाबदेही उससे बड़ी रहे।

मंथन
ऋतुपर्ण दवे



बड़ा संकेत दे गए तीन राज्यों के चुनाव परिणाम

तीन अगस्त को तीन राज्यों के नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहां सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा, वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वसिष्ठों के पास दो ही विकल्प थे, राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालांकि, बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। वे बिहार की नब्ब को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके के लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है, जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लोक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर, भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सौसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए, जिन्होंने आखिर में रोड शो किया। तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा कि मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर धा-लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्यादा सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सर्वण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की, पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठित हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम देना है। यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और साइन होने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। उन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था, लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। इस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निमल पाने जैसी हो गई। यदि यहां से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब कांग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा। हां, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लोक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थिति क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है, ये उनके अपने विचार हैं।)



मुद्दा

पंकज चुतुर्वेदी

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरु हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

यह निर्णय हमारी न्याय व्यवस्था में पर्यावरण के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का ही नहीं, बल्कि कानून के शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इस फैसले ने उस खतरनाक प्रवृत्ति पर गहरी चोट की है जिसमें परियोजनाएं पहले नियमों को ताक पर रखकर शुरू कर दी जाती थीं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बाद पिछले दरवाजे से कागजी वैधता हासिल कर ली जाती थी। वर्षों से यह देखा जा रहा था कि उद्योग, खनन, सड़क, बिजली और अन्य निर्माण परियोजनाएं बिना समुचित पर्यावरणीय जांच के आरंभ हो जाती थीं। जंगलों की कटाई होती थी, पहाड़ों का सीना चीर दिया जाता था, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव कर दिया जाता था और जब विरोध बढ़ता था या मामला अदालत तक पहुंचता था, तब सरकारें कार्यालय ज्ञापनों और प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से इन उल्लंघनों को नियमित करने का प्रयास करती थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्यावरण जैसे गंभीर विषय पर ऐसे शॉर्टकट स्वीकार नहीं किए जा सकते। वर्ष 2006 की पर्यावरण प्रभाव आकलन व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही था कि किसी भी बड़ी परियोजना के शुरु होने से पहले यह वैज्ञानिक रूप से जांच हो कि उसका जंगलों, जलस्रोतों, वन्य जीवों, खेती और स्थानीय आबादी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि संभावित नुकसान सामने आता है तो उसे कम करने के उपाय पहले से तय किए जाएं। यही कारण है कि इसे पूर्व स्वीकृति कहा गया है। यदि परियोजना शुरू होने के बाद अनुमति दी जाएगी तो पूरी प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी। जिस जंगल की कटाई हो चुकी हो, जिस नदी का प्रवाह बदल चुका हो या जिस पहाड़ी को खोद दिया गया हो, वहां बाद की स्वीकृति प्रकृति को उसके पुराने स्वरूप में वापस नहीं ला सकती। यह निर्णय केवल पर्यावरण की रक्षा का मामला नहीं है, बल्कि सुशासन और जवाबदेही का भी

सुख के लिए तप की साधना जरूरी

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भगवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि ‘मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही प्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।



करंट अफेयर

फर्जीवाड़े को लेकर 25 लोगों की अमेरिकी नागरिकता होगी रद्द

अमेरिका में पहचान संबंधी जानकारी में कथित फर्जीवाड़े से लेकर हत्या के प्रयास और बाल यौन शोषण जैसे आरोपों वाले मामलों में भारतीय मूल के एक व्यक्ति सहित 25 लोगों की नागरिकता रद्द की जा रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने 65 वर्षीय नरिंदर सिंह के खिलाफ डेलावेयर जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। उन पर अमेरिका में प्रवेश पाने के लिए फर्जी पहचान का सहारा लेने का आरोप है। न्याय मंत्रालय के मुताबिक सिंह ने 1996 में अमेरिका में प्रवेश के लिए गलत पहचान का इस्तेमाल किया और एक मई, 2008 को अमेरिका के नागरिक बन गए। शिकायत में उनके कई गलत बयानों और गैर-कानूनी कामों का जिक्र करते हुए सात आरोप लगाए गए हैं। जिन 25 लोगों के खिलाफ नागरिकता रद्द करने की कार्यवाही शुरू की गई है उनमें पाकिस्तानी मूल के दो लोग- गिला मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ भी शामिल हैं। उन पर पहचान से जुड़ी गलत जानकारी देने के आरोप हैं। कार्यवाहक अदौर्नी जनरल टॉड ब्लाने ने सोमवार को एक बयान में कहा, ‘अमेरिका की नागरिकता हमारे देश के सर्वोच्च विशेषाधिकारों में से एक है और इसे वैध तरीके एवं ईमानदारी से ही हासिल किया जाना चाहिए।’

पर्यावरण के विध्वंस पर विकास की मुहर नहीं

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

यह निर्णय हमारी न्याय व्यवस्था में पर्यावरण के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का ही नहीं, बल्कि कानून के शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इस फैसले ने उस खतरनाक प्रवृत्ति पर गहरी चोट की है जिसमें परियोजनाएं पहले नियमों को ताक पर रखकर शुरू कर दी जाती थीं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बाद पिछले दरवाजे से कागजी वैधता हासिल कर ली जाती थी। वर्षों से यह देखा जा रहा था कि उद्योग, खनन, सड़क, बिजली और अन्य निर्माण परियोजनाएं बिना समुचित पर्यावरणीय जांच के आरंभ हो जाती थीं। जंगलों की कटाई होती थी, पहाड़ों का सीना चीर दिया जाता था, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव कर दिया जाता था और जब विरोध बढ़ता था या मामला अदालत तक पहुंचता था, तब सरकारें कार्यालय ज्ञापनों और प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से इन उल्लंघनों को नियमित करने का प्रयास करती थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्यावरण जैसे गंभीर विषय पर ऐसे शॉर्टकट स्वीकार नहीं किए जा सकते। वर्ष 2006 की पर्यावरण प्रभाव आकलन व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही था कि किसी भी बड़ी परियोजना के शुरु होने से पहले यह वैज्ञानिक रूप से जांच हो कि उसका जंगलों, जलस्रोतों, वन्य जीवों, खेती और स्थानीय आबादी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि संभावित नुकसान सामने आता है तो उसे कम करने के उपाय पहले से तय किए जाएं। यही कारण है कि इसे पूर्व स्वीकृति कहा गया है। यदि परियोजना शुरू होने के बाद अनुमति दी जाएगी तो पूरी प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी। जिस जंगल की कटाई हो चुकी हो, जिस नदी का प्रवाह बदल चुका हो या जिस पहाड़ी को खोद दिया गया हो, वहां बाद की स्वीकृति प्रकृति को उसके पुराने स्वरूप में वापस नहीं ला सकती। यह निर्णय केवल पर्यावरण की रक्षा का मामला नहीं है, बल्कि सुशासन और जवाबदेही का भी

प्रश्न है। जब नियम तोड़ने के बाद भी वैधता मिलने की संभावना बनी रहती है, तब कानून का सम्मान कम होता है और भ्रष्टाचार के अवसर बढ़ते हैं। परियोजनाओं को बाद में नियमित करने की व्यवस्था प्रशासनिक और राजनीतिक दबावों के लिए भी रास्ता खोल देती है। इससे यह संदेश जाता है कि पहले निर्माण कर लो, बाद में कागजी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून का पालन पहले होगा और विकास उसके बाद। देश के पर्यावरण पर इस फैसले का दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारत पहले ही जलवायु



परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। कहीं भीषण बाढ़ है, कहीं लंबे सूखे की मार है, कहीं भूस्खलन बढ़ रहे हैं तो कहीं नदियां सिकुड़ रही हैं। हिमालयी राज्यों में अनियोजित निर्माण और अंधाधुंध खनन ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं की तोत्रता बढ़ा दी है। पश्चिमी घाट, अरावली, मध्य भारत के वन क्षेत्र और तटीय इलाके भी लगातार दबाव झेल रहे हैं। यदि विकास परियोजनाओं का पर्यावरणीय मूल्यांकन ईमानदारी से पहले किया जाएगा तो अनेक संभावित नुकसान समय रहते रोकें जा सकेंगे। इससे केवल प्रकृति ही नहीं बचेगी, बल्कि भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और मानवीय त्रासदियों की भी कम किया जा सकेगा।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय समुदायों के अधिकारों से भी जुड़ा है। बड़ी परियोजनाओं का सबसे अधिक असर आदिवासी, ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर पड़ता है। उनकी आजीविका जंगल, जल और जमीन पर निर्भर होती है। यदि पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन पहले होगा और लोगों की आपत्तियों तथा सुझावों को गंभीरता से सुना जाएगा तो विकास अधिक न्यायपूर्ण और सहभागी बन सकेगा। लोकतंत्र

संकलित
प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया: राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है... गुरूजी ने कहा: राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है। गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु मैं स्वयं ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।



आज की पाती
हर मां को मिले सहयोग
हर शिशु को मिले पोषण
शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरुकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मीयों और नीति-निर्माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरुक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। इस सप्ताह को मनाने की शुरुआत 1992 में ‘वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन’ ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। हर मां को सहयोग और हर शिशु को पोषण मिलना ही चाहिए।
- *सुनीता देवी, झुंझर*

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है विटामिन बी6

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था ‘थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन’ (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सल्लिमेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। देशभर में लोगों के रक्त के नमूनों में विटामिन बी6 की जांच करने वाले एक पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि मई में की गई जांच में लगभग 4.5 प्रतिशत नमूनों में ऐसे संकेत मिले जो तंत्रिकाओं को नुकसान की संभावना की ओर इशारा करते हैं। विटामिन बी6 को पायरीडॉक्सीन भी कहा जाता है। यह शरीर में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय में अहम भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में न्यूरोटॉक्सीमिटर के उत्पादन, प्रतिरक्षा प्रणाली के समर्थन और हीमोग्लोबिन उत्पादन में भी सहायक होता है।

विचार हरिभूमि 4

का अर्थ केवल परियोजनाओं को मंजूरी देना नहीं, बल्कि उनसे प्रभावित लोगों की आवाज को भी महत्व देना है। बेशक, इस निर्णय से कुछ लोगों को यह आशंका हो सकती है कि विकास परियोजनाओं की गति धीमी पड़ जाएगी। यह चिंता पूरी तरह निराधार भी नहीं है। कई परियोजनाएं वर्षों तक फाइलों में अटक रही हैं, जबकि कुछ मामलों में बिना पर्याप्त जांच के मंजूरी भी मिल जाती है। इसलिए आवश्यकता केवल सख्ती की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की भी है जिसमें वैज्ञानिक जांच पूरी गंभीरता से हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्णय लिया जाए। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना अपने आप में एक बड़ी भूल है। स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल, उपजाऊ भूमि और स्वस्थ जंगल किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि विकास के नाम पर इन्हें नष्ट कर दिया जाएगा तो भविष्य में बाढ़ नियंत्रण, जल संकट, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन पर कहीं अधिक धन खर्च करना पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण विकास का विरोध नहीं, बल्कि टिकाऊ और सुरक्षित विकास की पहली शर्त है। यह भी उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने अपने निर्णय को भविष्य में लागू करने का रास्ता अपनाया है ताकि पहले से वैध हो चुकी परियोजनाओं पर अचानक संकट न आ जाए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अदालत ने पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक स्थिरता, दोनों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। साथ ही उसने भविष्य के लिए यह स्पष्ट लक्ष्मण रेखा भी खींच दी है कि अब नियमों की अनदेखी कर बाद में वैधता हासिल करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। वास्तव में यह फैसला केवल एक कार्यालय ज्ञापन को रद्द करने का निर्णय नहीं है। यह शासन व्यवस्था, उद्योग जगत और समाज, तीनों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि विकास का रास्ता कानून और प्रकृति के सम्मान से होकर ही जाता है।

भारत को सड़कें, उद्योग, बिजली और आधुनिक आधारभूत ढांचा अवश्य चाहिए, लेकिन वह विकास तभी सार्थक होगा जब आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ नदियां, सुरक्षित जंगल, संतुलित जलवायु और स्वस्थ जीवन भी बचा रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने याद दिलाया है कि प्रकृति के नियमों की अनदेखी करके प्राप्त किया गया विकास अंततः विनाश का ही दूसरा नाम होता है। यदि इस निर्णय की भावना को ईमानदारी से लागू किया गया तो यह भारत में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अजी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दिया: राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है... गुरूजी ने कहा: राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है। गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु मैं स्वयं ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।



पाटील का निधन दुःखद
महाराष्ट्र के जाने-माने शिक्षाविद, समाजसेवी व पूर्व राज्यपाल डॉ. जी. वाई. पाटील का निधन दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को आपने श्रीचरणों में स्थान दे व उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।
- *अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री*

'कवच योजना' को मंजूरी

आज कैबिनेट ने ‘कवच योजना’ को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 5,000 किसानों को नई क्रेडिट सुविधाओं तक पहुंच देकर मुख्यमन्त्री के सुविोजे का फैसला किया गया है। इसके अलावा, विकास और जन-कल्याण से जुड़े अन्य फैसले भी लिए गए हैं।

- *डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश*

जनता का शुकिया

हम गुजरात के मंजलपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता का हरे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया। इस जीत के लिए हम बीजेपी के सभी समर्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हार्दिक धन्यार्इ देते हैं।

- *नितिन नवीन, अध्यक्ष, मांजाण*

छात्रों का आंदोलन

झारखंड में छात्रों का आंदोलन अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। नौ मुख्यमंत्री हंगर सोरेज से आग्रह करता हूं कि झारखंड के छात्रों के हितों व ते तृप्त उनके प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करें। उनकी मांगों के लिए सार्थक कदम उठाएं।

- *रघुवर दास, पूर्व सीएम, झारखंड*

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com



सलाखों से बाहर आते ही फिर दहाड़ रहे बदमाश

बेखौफ गुंडे... लाचार खाकी... खतरे में आम शहरी!

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर में कानून-व्यवस्था की ध्वजियां उड़ चुकी हैं और अपराधियों के हौसले आसमान छू रहे हैं। गंभीर अपराधों में जेल भेजे गए शातिर बदमाशों के लिए जमानत अब सुधरने का मौका नहीं, बल्कि 'अपराध का नया लाइसेंस' बन चुकी है। हत्या, दुष्कर्म, चाकूबाजी, बमबाजी और रंगदारी जैसे मामलों के आरोपी जेल से बाहर आते ही सबसे पहले उन्हीं पीड़ितों और गवाहों को



निशाना बना रहे हैं, जिनकी वजह से वे सलाखों के पीछे पहुंचे थे। शहर में खोफ का आलम यह है कि पीड़ितों को सरेआम जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं, अदालत से केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है और विरोध करने पर दोबारा गोलियां और बम बरसाए जा रहे हैं। इन सबके बीच सबसे शर्मनाक स्थिति यह है कि जनता की सुरक्षा का दावा करने वाली पुलिस का अपराधियों पर से अंकुश पूरी तरह खत्म हो चुका है।

आपात स्थिति में कोई नहीं मददगार

शहर की बदहाल कानून-व्यवस्था का सबसे कड़वा सच यह है कि जब कोई नागरिक मुसीबत में फंसेता है, तो उसे 'एट ए टाइम' (तत्काल) कोई पुलिस सहायता नहीं मिलती। पीड़ितों का आरोप है कि थानों के प्रभारी (टीआई) और जिम्मेदार पुलिस अधिकारी ऐन मौके पर फोन तक उठाना मुनासिब नहीं समझते।

निगरानी के नाम पर खानापूर्ति

जेल से छूटने के बाद आदतन अपराधियों की नियमित मॉनिटरिंग के लिए पुलिस के पास ना कोई मजबूत रणनीति है और ना ही इच्छाशक्ति।

स्टाफ और तकनीक का रोना

पुलिस महकमा थानों में स्टाफ की कमी और संसाधनों का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारियों से पहला झाड़ रहा है। इसी ढिलाई का फायदा उठाकर बदमाश रिहा होते ही अपने पुराने आपराधिक नेटवर्क के साथ दोबारा असलहों से लैस होकर सड़कों पर तांडव मचा रहे हैं।

चाकूबाजी का ग्राफ बेलगाम

1 जनवरी से 23 मई 2026 के बीच शहर में हुई चाकूबाजी की घटनाओं की समीक्षा करें तो रंगटे खड़े करने वाला सच सामने आता है। अधिकांश वारदातों में वही आरोपी शामिल पाए गए जो हाल ही में जेल से जमानत पर छूटे थे। हद तो यह है कि आदतन अपराधियों पर लगाए जाने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) और जिला बंदर (तड़ीपार) जैसे कड़े कानूनी हथियार भी अपराधियों के हौसले तोड़ने में नाकाम साबित हो रहे हैं। तड़ीपार और रासुका से छूटने के बाद बदमाश दोबारा उसी इलाके में लौटकर बमबाजी और गोलीबारी कर रहे हैं, जिससे पुलिस के प्रशासनिक सुधार और पुनर्वास के तमाम दावों की पोल खुल गई है।

आखिर कब जागेगा पुलिस प्रशासन?

कानूनी जानकारों का स्पष्ट कहना है कि यदि जमानत पर रिहा आरोपी जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहा है, गवाहों को धमका रहा है या दोबारा अपराध कर रहा है, तो पुलिस को तत्काल अदालत के समक्ष जमानत निरस्त करने की याचिका लगानी चाहिए।

जनता का सीधा सवाल

जब बदमाश खुलेआम घूम रहे हैं, तो संवेदनशील मामलों के पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? आपात स्थिति में जब थाना प्रभारी फोन ही नहीं उठाएंगे, तो आम नागरिक व्याप और सुरक्षा के लिए किसेक पास जाए?

जनसुनवाई में पहुंची महिला

घर में नल नहीं, थमा दिया 22 हजार का जलकर!

जबलपुर। नगर निगम की जनसुनवाई में मंगलवार को रांझी जोन की एक महिला ने बिना नल कनेक्शन के 22 हजार रुपये का जलकर बिल जारी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। महिला ने आरोप लगाया कि वर्षों से घर में नगर निगम का नल कनेक्शन नहीं है, इसके बावजूद बकाया जलकर का नोटिस मिलने से वह परेशान है। रांझी जोन अंतर्गत रहने वाली राधा यादव ने बताया कि उनके घर में कभी भी नगर निगम का नल कनेक्शन नहीं रहा। परिवार पड़ोसियों से पानी लेकर अपनी जरूरतें पूरी करता है। इसके बावजूद नगर निगम ने उनके नाम से 22 हजार रुपये का जलकर बकाया दर्शाते हुए बिल जारी कर दिया। मामले की शिकायत जनसुनवाई में



किए जाने के बाद नगर निगम अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है। अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि संबंधित क्षेत्र पंचायत से नगर निगम सीमा में शामिल होने के दौरान कंप्यूटर रिकॉर्ड में महिला के नाम पर नल कनेक्शन दर्ज हो गया था, जिसके आधार पर लगातार बिल

बनते रहे। संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि शिकायत प्राप्त होने के बाद पटवारी और विभागीय टीम से मकान का भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। यदि जांच में नल कनेक्शन नहीं पाया जाता है तो रिकॉर्ड में आवश्यक संशोधन कर नियमानुसार जलकर बिल निरस्त करने की कार्यवाई की जाएगी।

दतिया उपचुनाव जीत पर कांग्रेस ने मेलोडी टॉफी बांटी

जबलपुर। दतिया उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत पर मंगलवार को जबलपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। गौरीघाट स्थित बादशाह हलवाई के पास कांग्रेस कार्यालय में मिठाई वितरित की गई, मेलोडी टॉफियां बांटी गईं तथा आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कांडा, प्रदेश प्रतिनिधि राजेंद्र चौधरी, रूपलाल यादव, ठाकुर दीपक सिंह राजपूत, उमेश सिंह ठाकुर पिंकी, सुरेश हिस्कर, अशोक सेठी, सरोज कांडा, शशांक यादव, ऊषा महाजन, कृष्ण गोपाल चौधरी, दीपक चौधरी, लक्ष्मीकांत त्रिपाठी, भगवानदास चौधरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नोट: खबर में शामिल भाजपा और कांग्रेस से जुड़े राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप संबंधित नेताओं के बयान हैं। इन्हें उनके दावों के रूप में ही प्रस्तुत किया गया है।

तेजी से फैल रहा साइबर ठगों का नेटवर्क

जबलपुर। शहर में साइबर ठगी के मामलों लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र में शादी के लिए मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर अपना बायोडाटा अपलोड करने वाली एक लड़की से साइबर ठग ने अपना शिकार बनाते हुए एक लाख रुपए ठग लिए। इसी तरह रांझी थाना क्षेत्र में मोबाइल हैक करके चार लाख की ठगी दो लोगों से की गई। पुलिस अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पार्सल के नाम पर 1 लाख की ठगी

पुलिस के अनुसार चेरिताल निवासी रिकी अहिरवार, जो निजी कॉस्मेटिक व्यवसाय से जुड़ी हैं, ने 12 जुलाई को शादी के लिए एक मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर अपना बायोडाटा अपलोड किया था। दो दिन बाद 14 जुलाई को उनके पास एक व्यक्ति का संदेश आया। उसने अपना नाम आदित्य राय बताते हुए खुद को इंग्लैंड में रहने वाला बताया और व्हाट्सऐप पर बातचीत शुरू कर दी। कुछ दिनों तक बातचीत के बाद आरोपी ने युवती से कहा कि वह लंदन से उसके लिए एक पार्सल भेज रहा है। 21 जुलाई को युवती के पास व्हाट्सऐप कॉल और संदेश आया, जिसमें कॉल करने वाले ने खुद को सरकारी अधिकारी बताते हुए कहा कि उसका पार्सल मुंबई में रोक लिया गया है और उसे छुड़ाने के लिए 1.25 लाख रुपये टैक्स जमा करना होगा। आरोपी ने खुद को सीबीआई से जुड़ा अधिकारी बताकर कार्रवाई का डर भी दिखाया। ठगों ने व्हाट्सऐप पर क्यूआर कोड भेजकर तत्काल भुगतान का दबाव बनाया। झांसे में आई युवती ने पहली बार 45 हजार, दूसरी बार 35 हजार रुपये अंजली कुमारी के खाते में तथा 20 हजार रुपये सविता देवी के खाते में फोनपे के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। कुल एक लाख रुपये भेजने के बाद उसे एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुकी है। कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो कारों में आए बदमाशों ने चार दोस्तों का किया अपहरण

जबलपुर। शहर के गढ़ा थाना क्षेत्र में रविवार रात पुरानी रंजिश के चलते चार किशोरों का अपहरण कर उनके साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। दो कारों में सवार सात आरोपितों ने अलग-अलग स्थानों से चारों को जबरन उठाया और बड़ा दबाव मेंकान ले जाकर बेल्ड व बेसबॉल स्टिक से हमला किया। पुलिस ने सातों आरोपितों के खिलाफ अपहरण, मारपीट और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार इंडा बस्ती निवासी विनम्र वर्मन के मित्र अकिता ठाकुर की अभिक कर्मन से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी विवाद के चलते अभिक अपने साथियों राधा साहू, राज तेकाम और जिशान खान के साथ कार से पहुंचा और सबसे पहले विकका ठाकुर को जबरन अपने साथ ले गया। इसके बाद आरोपित भारत कॉलेजी पहुंचे, जहां विनम्र वर्मन अपने मित्र अनमोल के साथ बैठे थे। आरोपितों ने दोनों से विवाद किया और विनम्र को जबरन कार में बैठकर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान दूसरी कार में राज रजक, दिवाल और हर्ष तिवारी भी मौके पर पहुंच गए। आरोपितों ने विनम्र से धमकाने और अकिता ठाकुर को फोन करवाया। जैसे ही अकिता घर से बाहर आया, उसे भी जबरन कार में बैठा लिया गया।

संगीत शिक्षक मर्ती : डीपीआई अधिकारियों को अवमानना नोटिस

आदेश की अनदेखी पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। संगीत शिक्षक मर्ती-2024 से जुड़े मामलों में हाईकोर्ट के अंतरिम आदेशों का पालन नहीं किए जाने पर न्यायालय ने लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अवमानना नोटिस जारी किया है। मामले में डीपीआई कामना आचार्य का नाम सामने आया है। भोपाल की प्रिया देव सहित अन्य याचिकाकर्ताओं के अनुसार, हाईकोर्ट ने 19 जून, 22 जून, 23 जून और नौ जुलाई 2026 को अलग-अलग प्रकरणों में अंतरिम आदेश जारी कर प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज के ' प्रमोकर' सहित समकक्ष योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को विकल्प भरने की अनुमति देने के

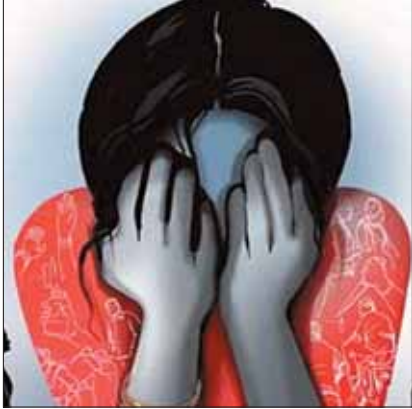
निर्देश दिए थे। साथ ही अंतिम नियुक्ति को न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रखा गया था। आरोप है कि इसके बावजूद लोक शिक्षण संचालनालय ने आदेशों का पूर्ण पालन नहीं किया। अभ्यर्थियों ने प्रमोकर को संगीत स्नातक के समकक्ष मान्यता के समर्थन में सर्वोच्च न्यायालय, केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण नई दिल्ली, दिल्ली हाई कोर्ट और पटना हाई कोर्ट के निर्णयों तथा मध्यप्रदेश शासन के 19 अक्टूबर 1974 के आदेश समेत कई दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि समान योग्यता के बावजूद अलग-अलग मापदंड अपनाए गए। हाई कोर्ट ने अधिकारियों से आदेशों का पालन नहीं करने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप

हाई कोर्ट ने एफआईआर निरस्त करने से किया इनकार

जबलपुर के रांझी क्षेत्र का बहुचर्चित मामला

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में दर्ज एफआईआर और चार्जशीट निरस्त करने से इनकार कर दिया। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने याचिका निरस्त कर दी। आवेदक ने बीएनएसएस की धारा 528 के तहत थाना रांझी, जिला जबलपुर के अपराध में बीएनएस की धारा 69 के तहत दर्ज प्रकरण और 23 अप्रैल 2026 की चार्जशीट निरस्त करने की मांग की थी। अभियोजन के अनुसार, दोनों करीब 12 वर्ष पहले संपर्क में आए थे। आरोप है कि 19 जुलाई, 2015 को आवेदक ने विवाह का आश्वासन देकर संबंध बनाए और इसके बाद करीब 10 वर्षों तक अलग-अलग स्थानों पर इसी आश्वासन पर संबंध बनाए। छह मार्च 2026 को विवाह से इनकार करने पर एफआईआर दर्ज हुई। आवेदक ने संबंधों को सहमति से बताते हुए दावा किया कि शिकायतकर्ता ने स्वयं विवाह से इनकार किया और अन्य विवाह के विज्ञापन दिए थे। कोर्ट ने कहा कि ये विवादित तथ्य हैं, जिनका निर्णय ट्रायल में होगा। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर और धारा 183



बीएनएसएस के बयान से प्रथमदृष्टया अपराध बनता है। धारा 528 में साक्ष्यों का विस्तृत मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। विवाह का आश्वासन शुरू से झूठा था या संबंध सहमति से थे, इसका फैसला ट्रायल में साक्ष्यों के आधार पर होगा।

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव : आज से फिर प्रारंभ होगी मतगणना, सत्यापन प्रक्रिया पूरी

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की मतगणना प्रक्रिया बुधवार, पांच अगस्त से पुनः प्रारंभ होगी। मतगणना से पहले मतपत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया मंगलवार को पूर्ण कर ली गई। निर्वाचन अधिकारी व पूर्व व्यायाधीश न्यायमूर्ति एसके पाले व वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ के निदेशन में पूरी प्रक्रिया अनुशासन, सुरक्षा और आवश्यक व्यक्तियों के साथ संपन्न हुई। मतपत्र सत्यापन के दौरान प्राप्त विसंगतियों का विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। इसके बाद वेध वेध एवं उद्देश्य मतपत्रों की संख्या घोषित की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत कोटा निर्धारित करने के साथ अतिरिक्त मूल्य की गणना और उसका संबंधित प्रयाशियों में वितरण किया जाएगा। इसके बाद द्वितीय चरण की मतगणना तथा आवश्यकता पड़ने पर एलिमिनेशन राउंड शुरू होगा। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पांच अगस्त को सुबह 10 बजे से मतगणना का सीधा प्रसारण स्टेट बार के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। प्रत्येक चरण की अद्यतन जानकारी परिषद की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराई जाएगी। मतगणना प्रक्रिया में असिस्टेंट रिकॉर्डिंग ऑफिसर जीएस बघेल, दीपक अवस्थी व हाई पावर्ड इलेक्शन कमेटी के सचिव प्रशांत दुबे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

12 अगस्त से क्रमबद्ध आंदोलन की चेतावनी

लंबित मांगों को लेकर नर्सिंग स्टाफ ने मोर्चा खोला

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग अधिकारियों ने लंबित मांगों के समर्थन में मंगलवार को दो घंटे का सांकेतिक कार्य बहिष्कार और शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। मेडिकल एंड हेल्थ नर्सिंग एसोसिएशन, मध्यप्रदेश के वैनर तले आयोजित इस प्रदर्शन में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मेडिकल कॉलेज के डीन कार्यालय के सामने नर्सिंग अधिकारी काली पट्टी बांधकर धरने पर बैठे और सांकेतिक रूप से कार्य बहिष्कार भी किया। आंदोलन को क्रमबद्ध करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। जिसके मुताबिक 12 अगस्त को 2 घंटे का सांकेतिक धरना दिया जाएगा, 14 अगस्त को डीन कार्यालय का घेराव किया जाएगा। इसके बाद 18, 19 व 20 अगस्त को मुख्य द्वारा पर सांकेतिक हड़ताल की जाएगी। इसके बाद 7 सितंबर से बेमूहत अमरण अनशन किया जायेगा। एसोसिएशन का कहना है कि नर्सिंग कर्मचारियों की विभिन्न



मांगों को लेकर शासन स्तर पर कई बार पत्राचार और प्रतिनिधित्व किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसके विरोध में यह सांकेतिक आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। नर्सिंग अधिकारियों की प्रमुख मांगों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्तियां, लंबित कर्मचारी कोड जारी करना, चिकित्सा शिक्षकों की

तर्ज पर सातवें वेतनमान का लाभ, तीन एवं चार समयमान वेतनमान की सुविधा तथा वर्ष 2011 में नियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को समयमान वेतनमान का एरियर भुगतान शामिल है। मंगलवार को एसोसिएशन द्वारा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के प्रमुख सचिव के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें कहा गया है कि यदि

एक माह के भीतर मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो अगले महीने से अनिश्चितकालीन हड़ताल और पूर्ण कामबंदी का निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के वीरेंद्र तिवारी, अजय दुबे, मंजु पटेल, गीता एवं मौनिका प्रजापति, घनश्याम पटेल, ओम पाराशर, अरुण साहू, आदि उपस्थित रहे।

कैट जबलपुर ने रीवा एसपी के आदेश पर लगाई रोक, केंद्र व मप्र शासन से मांगा जवाब

सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी से 11.61 लाख की वसूली पर रोक

जबलपुर। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट)जबलपुर ने सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डा. महेंद्र सिंह सिकरवार के विरुद्ध की जा रही 11 लाख 61 हजार 885 रुपये की वसूली पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अधिकरण ने भारत सरकार, रीवा एसपी और मध्य प्रदेश शासन से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे, सोनाली पांडे और प्रथमेश पगारे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि डा. सिकरवार वर्ष 2024 में रीवा के पुलिस महानिरीक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके विरुद्ध अप्रैल 2026 में रीवा के पुलिस अधीक्षक ने वसूली आदेश जारी किया था। याचिका के अनुसार, वर्ष 2012 में डा. सिकरवार से कनिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का वेतन अधिक निर्धारित हो गया था। इस वेतन विसंगति को दूर करने के लिए उन्होंने अपने नियोक्ता को अभ्यावेदन दिया था। इसके बाद उनका वेतन वर्ष 2012 से पुनर्निर्धारित किया गया तथा अंतर की राशि का एरियर भी भुगतान किया गया। बाद में पुलिस अधीक्षक, रीवा ने 11,61,885 रुपये की वसूली निकालते हुए राशि जमा नहीं करने पर कार्रवाई और पेंशन से कटौती की चेतावनी दी। डा. सिकरवार ने इसे अधिकार क्षेत्र से परे बताते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण, जबलपुर में चुनौती दी। याचिका में कहा गया कि आईपीएस अधिकारी के नियोक्ता भारत सरकार का गृह मंत्रालय तथा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग हैं। साथ ही वेतन निर्धारण में गलत जानकारी देने का कोई आरोप नहीं है।

जेडीए अध्यक्ष के साथ बैठक में सिविक सेंटर व्यापारियों ने दिए सुझाव

जेडीए द्वारा व्यवस्थात्मक सुधारों एवं नागरिक सुविधाओं की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जबलपुर। जबलपुर विकास प्राधिकरण में कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से तकनीकी एवं व्यवस्थात्मक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। जेडीए के सिविक सेंटर परिसर में जनसुविधा एवं विकास के दृष्टिकोण से मूलभूत सुधार आवश्यक है अवेध पार्किंग, ओपन किचिन एवं अवेध नशाखोरी पर रोक लगाई जाए साथ आवारा पशुओं की रोकथाम की जाए यह बात जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन के साथ आज संपन्न बैठक में सिविक सेंटर क्षेत्र के व्यापारीयों एवं कार्यालय संचालकों, अपेक्षितजनों द्वारा प्राप्त सुझावों में कही गई। इसके साथ ही स्वक्षता,पार्किंग, ड्रेनेज सिस्टम सुधार व्यवस्थित पार्किंग के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण सुझाव आए।

जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सिविक सेंटर योजना 18 के ब्लॉक क्रमांक 8, 9 एवं 10 को स्वच्छ, सुरक्षित, सुंदर एवं सर्वसुविधायुक्त बनाने के उद्देश्य से आज 4 अगस्त 2026 को अध्यक्ष श्री संदीप जैन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक व्यापारियों एवं कार्यालय संचालकों की उपस्थिति संपन्न हुई। बैठक में लिए गए निर्णयों एवं जनहित को

अवेध पार्किंग, ओपन किचिन, नशा खोरी एवं आवारा पशुओं पर लगे रोक



ध्यान में रखते हुए जेडीए अध्यक्ष ने दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि सोसाइटी का अनिवार्य गठन किया जाए एवं प्राधिकरण के नियमानुसार जिन ब्लॉकों में 50% से अधिक इकायियों का लीज आवंटन हो चुका है, वहाँ रहवासियों, व्यापारियों एवं कार्यालय संचालकों द्वारा 15 दिवस के भीतर सोसाइटी का गठन किया जाना अनिवार्य है। बुनियादी सुविधाओं (सफाई, मटेनेंस व सुरक्षा) का संचालन सोसाइटी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए साथ ही लीज नियमों का पालन एवं अतिक्रमण पर प्रतिबंध लगाया जाए, समस्त लीजधारी केवल अपने आवंटित (लीज) क्षेत्रफल पर ही काबिज रहें। स्वीकृत सीमा से अधिक अतिक्रमण पाए जाने पर

वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। दुकानों के सामने एवं कॉरिडोर के आगे ठेले-टपरे लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अतिक्रमण रोधी दस्ता सड़क की निर्धारित चौड़ाई बनाए रखने हेतु सतत कार्रवाई करेगा। श्री संदीप जैन ने बैठक में कहा कि मटेनेंस, ड्रेनेज एवं यातायात सुधार कर छतों/नालियों की नियमित सफाई एवं ड्रेनेज व्यवस्था के सुदृढीकरण हेतु समिति का गठन कर कॉरिडोर की सीलन दूर करने हेतु तकनीकी टीम द्वारा सर्वे किया जाएगा। जलभराव एवं यातायात नियंत्रण हेतु स्ट्रक्चर डिजाइनर से परामर्श कर व्यवस्था लागू की जाएगी तथा चार पहिया वाहनों के अनियंत्रित प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी। श्री संदीप जैन ने कहा कि

बड़ी इमारतों में लिफ्ट का प्रावधान एवं पानी की टंकियों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी, सामाजिक सौहार्द एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु ब्लॉकों में नियमित बैठकें आयोजित की जाएं ताकि आपसी संवाद बना रहे।जिन दुकानदारों ने दुकानें किराए पर दी हैं, वे अपने किरायेदारों का रिकॉर्ड रखें। शौचालयों व कॉरिडोर में असामाजिक तत्वों के जमावड़े एवं अवेध गतिविधियों को नियंत्रित करने हेतु पुलिस प्रशासन के सहयोग से गश्त बढ़ाई जाए। जेडीए अध्यक्ष ने कहा कि इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना, योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाना तथा प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि करना है। प्राधिकरण द्वारा समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे कार्यों का निष्पादन अधिक सरल एवं पारदर्शी होगा।जबलपुर शहर के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्राधिकरण आधुनिक शहरी नियोजन, गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना, पर्यावरण संरक्षण तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर भी प्राथमिकता से कार्य कर रहा है।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों की कलम बंद हड़ताल जारी

सरकार से नाराज चल रहे हैं पटवारी

सिहोरा। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के आह्वान पर जिले के समस्त पटवारी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन ‘कलम बंद’ हड़ताल पर बैठ गए। हड़ताल से नामांतरण,सीमांकन,आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र सहित कई राजस्व सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है।पिछले 25 वर्षों से लंबित मांगें पूरी न होने के कारण प्रदेश भर के पटवारी सरकार से नाराज चल रहे हैं जिसके चलते जून महीने से पटवारियों का ऑडोलन जारी है इस दौरान पटवारियों की ओर से 5 सूत्रीय मांगों को लेकर समय-समय पर ज्ञापन दिए गए लेकिन सरकार की ओर से कोई आश्वासन न मिलने के कारण म.प्र.पटवारी संघ के आह्वान पर पटवारीयो ने अनिश्चितकालीन हड़ताल के साथ कलम बन्द हड़ताल कर दी है। हड़ताल के चलते गत दिवस निर्धारित कार्यक्रम के तहत सिहोरा सहित पूरे प्रदेश में विभिन्न तहसील कार्यालयों में पटवारियों की ओर से अपने-अपने बस्ते जमा किए



गए पटवारियों के हड़ताल पर जाने से नामांतरण, बंटवारे, जाति प्रमाणपत्र, तहसीलों में लंबित प्रकरण आदि कार्य ठप पड़ गए हैं.

5 सूत्रीय मांगों को लेकर चल रही है हड़ताल

प्रदेश भर के पटवारी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे हैं. पटवारी संवर्ग की विगत कई वर्षों से लंबित वेतनमान विसंगति को दूर करने के लिए शासन द्वारा तैयार कैडर रिव्यू का प्रस्ताव जो शासन स्तर पर ही लंबित है। उसे तत्काल लागू करने पटवारियों को कैडर

रिव्यू का लाभ प्राप्त ना होने तक पदोन्नति का लाभ दिये जाने पटवारी संवर्ग के लिए विभागीय परीक्षा विगत 25 वर्षों में सिर्फ एक बार वर्ष 2018 के पश्चात आज तक विभागीय परीक्षा आयोजित नहीं हुई है। इसे शीघ्र आयोजित करवाई जावे। प्रायः यह देखा जा रहा है की वसीयत एवं अन्य राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों में पटवारी केवल प्रतिवेदन करता है। उसके गुण दोष की जांच करना तथा निर्णय कर आदेश प्रसारित करना न्यायालय तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार का कार्य है।

जुलाई माह में पश्चिम मध्य रेल की ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग 4.96 मिलियन टन रही

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल द्वारा ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यालय स्तर पर समय-समय पर विभिन्न समीक्षा बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसके साथ ही वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों में माल ढुलाई बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप जुलाई 2026 के दौरान पश्चिम मध्य रेल ने 4.96 मिलियन टन ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग दर्ज की। यह उपलब्धि गत वर्ष के इसी माह में की गई 4.34 मिलियन टन लोडिंग की तुलना में 14.28 प्रतिशत अधिक है। इस प्रकार

गतवर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत से अधिक माल ढुलाई की

पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष के चार महीनों में अब तक माल ढुलाई में कुल 20.27 मिलियन टन ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग की। जो गत वर्ष के चार माह में की गई 18.74 मिलियन टन लोडिंग की तुलना में 8.16 प्रतिशत अधिक है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि महाप्रबंधक के सतत मार्गदर्शन एवं मॉनिटरिंग के साथ-साथ वाणिज्य और परिचालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जबलपुर, भोपाल तथा कोटा मंडलों में किए गए समर्पित और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। पश्चिम मध्य रेल द्वारा ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

पाटन में बैंक ऑफ़ इंडिया की नई शाखा का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। बैंक ऑफ़ इंडिया BOI ने पाटन में जबलपुर अंचल अंतर्गत अपनी 53वीं शाखा का शुभारंभ किया। पाटन शाखा का उद्घाटन पाटन विधानसभा क्षेत्र के विधायक आदर्शनाथ श्री अजय विश्नोई जी के कर कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर श्री रमेश कुमार, औचलिक प्रबंधक, बैंक ऑफ़ इंडिया जबलपुर अंचल एवं पाटन नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य श्री जगेंद्र सिंह जी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के दौरान माननीय विधायक श्री अजय विश्नोई जी ने बैंक ऑफ़ इंडिया की उत्कृष्ट एवं जनहितकारी बैंकिंग सेवाओं की सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में उल्लेख किया की वे पिछले 55 वर्षों से बैंक ऑफ़ इंडिया से जुड़े हुये हैं तथा बैंक द्वारा ग्राहकों को प्रदान की जा रही विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने नयी शाखा के शुभारंभ पर बैंक को शुभकमनाएं देते हुये विश्वास व्यक्त किया की यह शाखा पाटन एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम में औचलिक प्रबंधक श्री रमेश कुमार जी द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की बैंक ऑफ़ इंडिया ग्राहकों को आधुनिक, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करने में सदैव प्रतिबद्ध है।पाटन में बैंक ऑफ़ इंडिया की इस नई शाखा को खोलने में बैंक ऑफ़ इंडिया, जबलपुर अंचल के औचलिक प्रबंधक श्री रमेश कुमार

जी एवं उप औचलिक प्रबंधक श्री संतोष सहाय जी एवं सामान्य प्रशासन विभाग प्रमुख श्री गोपाल ठाकुर एवं उनके साथी अधिकारियों ने उच्चाधिकारियों के मार्गदर्शन में अहम भूमिका निभाई। इस नई शाखा के शाखा प्रबंधक श्री अभिषेक गर्ग ने शाखा उद्घाटन पर पधारे सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया एवं आवश्यक बैंकिंग सहयोग-सह-उत्कृष्ट ग्राहक सेवा हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

दुर्गा मंदिर गलगला में हुआ हरिनाम संकीर्तन हरि व्यापक सर्वत्र समाना, प्रभु का नाम सुमिरन व संकीर्तन अवश्य करें: पं. दुबे



जबलपुर। श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालिपुरम् के संयोजकत्व में श्रावण मास पर जारी संकीर्तन माला के छठवें दिवस आज पं.धनश्याम दुबे के सानिध्य में गलगला दुर्गा मंदिर सियाराम जय राम, राधे राधे, गौरीशंकर सीताराम, वीर हनुमान जैसे समधुर भजनों एवं हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान रहा

। इस अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे ने कहा कि भगवान हर जगह व्याप्त हैं हरि व्यापक सर्वत्र समाना प्रभु का नाम सुमिरन संकीर्तन सर्व फल प्रदायक है। कार्यक्रम में मण्डल के संयोजक देवेन्द्र नेमा, मनोज गुलाबवानी,माया सैनी, प्रतिभा शिवहरे, रश्मि नागोरिया, नीलम

चौरसिया, पदमा गुप्ता, मानवी सैनी, ओमप्रकाश शिवहरे, प्रभाकर चतुर्वेदी, सुरेन्द्र गिरी, सत्यप्रकाश नामदेव, पप्पू चौबे, प्रकाश मारिंदकर, अमित विश्नोई, अनिल सुहाने, अनिल आचार्य, सुनील नामदेव, नवनीत पटवा, विशाल पंड्या, धीरज वंशकार आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

नगर महिला कांग्रेस की अध्यक्ष बनीं प्रियंका सोनी

जबलपुर। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बीरासी ने प्रियंका सोनी को नगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं ने प्रियंका सोनी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महिला कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा महिलाओं के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।



मौके पर ही नागरिकों की समस्याओं का हुआ समाधान

जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों को बड़ी राहत मिली। जनसुनवाई में पहुंचे निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिकों की समस्याओं को न सिर्फ सुना, बल्कि अधिकारियों को मौके पर बुलाकर उनका तुरंत समाधान भी कराया। विशेष रूप से राजस्व और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई संवेदनशील मामलों को मौके पर ही त्वरित

निराकरण कर आवेदकों को तुरंत राहत पहुंचाई गई। प्राप्त आवेदन क्रमशः 8 अतिक्रमण विभाग, 13 भवन शाखा, 3 स्वास्थ्य विभाग, 2 जल, 2 पी.एम.ए.उद्या, 13 कॉलोनी सेल, 28 संपदा शाखा, 1 उद्यान विभाग, 1 एक्यूलायस, 1 कार्यालय अग्रक्षेत्र, 1 प्रकाश, 1 शिक्षा विभाग, 2 संभाग क्रमांक 01, 1 संभाग क्रमांक 02, 1 संभाग क्रमांक 03, 1 संभाग क्रमांक 05, 3 संभाग क्रमांक 10, 3 संभाग क्रमांक 15 एवं 1 संभाग क्रमांक 16 से जुड़े आवेदकों पर तुरंत कार्रवाई की गई।

नाम परिवर्तन सूचना
I, MAINATHI GOYARY is legally WIFE of ARMY MO-15719974M, Rank-HAV, Name- KANGKAN RAMCHIARY presently residing at VIII -HALLANG BARI, POST-KATHAL MURI GHAT Teh-BIJNI, Distt - BARPETA, State ASSAM, PIN- 781328, शपथपूर्वक निगमित है कि मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम MAINATHI RAMCHIARY दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम MAINATHI GOYARY दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम को प्वा व सुना एवं मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं 38AA617935 दिनांक 04-08-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.
गलत नाम
MAINATHI RAMCHIARY
सही नाम
MAINATHI GOYARY

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अयोध्या विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सिविल लाईन कॉलोनी मण्डला में स्थित भवन क्रमांक Lig- 14 श्री हल्कु राम यादव पिता श्री छोटेलाल यादव के नाम आवंटित है। जिसका विवर निम्न दिनांक 26.02.2007 को हो चुका है। श्री हल्कु राम यादव पिता श्री छोटेलाल यादव की मृत्यु दिनांक 18.08.2025 को हो चुकी है। उनकी पत्नी श्रीमति विजय कुमारी यादव पति स्व. श्री हल्कु राम यादव के द्वारा उक्त भवन अपने नाम नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र के साथ शपथ पत्र एवं विधायित दस्तावेज एवं नामिनेशन के आधार पर आवेदन ऑनलाईन किया है। शपथ पत्र एवं विधायित दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन श्रीमति विजय कुमारी यादव पति स्व. श्री हल्कु राम यादव के नाम नामांतरण की कार्यवाही की जाना है। यदि किसी व्यक्ति/विस्था को उक्त भवन हस्तांतरण बावत आपति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वृध आपति प्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि में किसी भी प्रकार की आपति प्राप्त नहीं होने पर सिविल लाईन कॉलोनी मण्डला में स्थित भवन क्रमांक Lig- 14 श्रीमति विजय कुमारी यादव पति स्व. श्री हल्कु राम यादव के नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपति/ दावा मान्य नहीं होगी।
संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अयोध्या विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

श्री विष्णु सक्सेना- न्यू कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री विष्णु सक्सेना (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।
श्रीमती सेवती बाई झारिया- गढ़ा रेलवे क्रासिंग के पास निवासी श्री जियारा लाल झारिया की धर्मपत्नी श्रीमती सेवती बाई झारिया (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।
श्रीमती चंदा बाई जायसवाल- कांचघर स्टेशन रोड निवासी श्री बनवारी लाल जायसवाल की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा बाई जायसवाल (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।
श्री अमित वर्मा- प्रेरमनगर मदनमहल निवासी श्री अमित वर्मा (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।
श्री मिश्री लाल कनौजिया-

निधन
शारदा कॉलोनी मैदान गोकलपुर निवासी श्री मिश्री लाल कनौजिया (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।
श्रीमती अनीता पटेल- छुई खदान श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री जगन्नाथ पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता पटेल (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।
श्री रवि कोरी- न्यू कंचनपुर आधारताल निवासी श्री रमेश कोरी के पुत्र श्री रवि कोरी (34) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री डिगन लाल गुप्ता- हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री डिगन लाल गुप्ता (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।
श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव- दुर्गा कॉलोनी संजीवनी नगर निवासी श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।
श्री सागर भट्टाचार्य- मांडवा टेंडर 2 रामपुर निवासी श्री सागर भट्टाचार्य (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राम नारायण तिवारी- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री राम नारायण तिवारी (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।
श्री चंद्र कुमार मोगरे- केंट सदर निवासी श्री अशोक कुमार मोगरे के पुत्र श्री चंद्र कुमार मोगरे (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।
श्रीमती द्रोपती बाई दाहिया- पुलिस लाइन निवासी श्री भरोसे लाल दाहिया की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती बाई दाहिया (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उत्सव, पगड़ी रम, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब कलम 140/- प्रति स्तंभ पर है।
विजय सड़क:- 100 से मी. लेखन 300/-
विजय सड़क:- 100 से मी. लेखन 400/-
विजय सड़क 100 से मी. लेखन 1100/-
सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग:- 9303108294, 9407362160



गोदरेज प्रॉपर्टीज के लाभ में 42 फीसदी की गिरावट नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 598.40 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 1,345.04 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,620.34 करोड़ रुपये थी।

वीक्स इलेक्ट्रिक ने राइट्स इश्यू से जुटाए 530 करोड़ मुंबई। ग्रीप्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (जीईएमएल) ने अपनी अगले चरण की वृद्धि के लिए राइट्स इश्यू के जरिये 530 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह निवेश जीईएमएल के इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा, प्रौद्योगिकी विकास को तेज करेगा और प्रतिस्पर्धी तथा तेजी से आगे बढ़ रहे इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का समर्थन करेगा।

शेयर बाजार में चार दिन से जारी तेजी थमी

सेंसेक्स 210 अंक टूटा, निफ्टी में 159 अंक की गिरावट

एजेसी ►► मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। वायदा एवं विकल्प अनुबंध में शेयर के लिए नई नीलामी प्रक्रिया पेश होने के बाद बीएसई सेंसेक्स 210 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी में 159 अंक की गिरावट आई। नकद इक्विटी खंड में समापन नीलामी सत्र (सीएसएस) सोमवार से शुरू हो गया। इसके तहत पात्र शेयरों के समापन मूल्य तय करने के लिए नई नीलामी आधारित व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य कीमतों की

उतार-चढ़ाव का नया स्तर जुड़ गया

एफएसटी वेल्थ के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरिरेल्वेचन राधाकृष्णन ने कहा कि वायदा एवं विकल्प शेयरों के लिए समापन नीलामी सत्र (सीएसएस) शुरू होने से प्रमुख सूचकांकों में उतार-चढ़ाव का एक नया स्तर जुड़ गया है। मंगलवार के कारोबार में बाजार की नई संरचना के अनुसार शुरुआती समायोजन देखने को मिला।

आयात घटाने के लिए सोने को रणनीतिक खनिज का दर्जा मिले

एजेसी ►► मुंबई

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने सरकार से सोने को रणनीतिक खनिज (स्ट्रैटेजिक मिनेरल) के तौर पर वर्गीकृत करने का आग्रह किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि इससे घरेलू खनन को बढ़ावा मिलेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के भारत के क्षेत्रीय मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सचिन जैन के अनुसार, सोने को ‘रणनीतिक खनिज’ का दर्जा मिलने से ‘एकल खिड़की मंजूरी’ प्रणाली लागू हो सकेगी।इससे खनन कंपनियों को राज्य सरकार से जुड़ी कई मंजूरियों के बजाय केंद्र से सीधे मंजूरी मिल सकेगी। जैन ने कहा, “हम लगातार बातचीत कर रहे हैं और खनन मंत्रालय के साथ हुई चर्चाओं में हमने इस मुद्दे को खास तौर पर उठाया है।” जैन ने कहा कि अगर सोने को ‘रणनीतिक खनिज’ की सूची में शामिल किया जाता है, तो कई चीजें बदल जाएंगी और आसान हो जाएंगी। उन्होंने कहा, “निवेशक और खनन करने वाली कंपनियां ‘एकल खिड़की मंजूरी’ के तहत केंद्रीय मंत्रालय से लाइसेंस ले सकती हैं और देश के

भारत में घरों में रखे सोने का मौद्रिकरण करने पर जोर

जैन ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए भारत में घरों में रखे सोने का मौद्रिकरण करने (आर्थिक गतिविधियों में लाने) की जरूरत पर भी जोर दिया। डब्ल्यूजीसी के अनुमान के मुताबिक, भारतीय घरों में लगभग 31,000 टन सोना है, जिसमें करीब 20,000 टन गहनों के रूप में और लगभग 6,000 टन छत्र (बार) और सिक्कों के रूप में है। रिपोर्ट के अनुसार, इस सोने की कीमत लगभग 314.9 लाख करोड़ रुपये है।

वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर नया शुल्क लगाया

भारत ने चार उत्पादों पर मौजूदा डंपिंग रोधी शुल्क बढ़ाया, एक पर नया शुल्क लागू

■ शुल्क रसायन एवं लौह तथा इस्पात उत्पादों पर लगाए गए		इन वस्तुओं पर शुल्क बढ़ाई गई: इस संबंध में अधिसूचनाएं केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) जारी करता है। अनट्रैडेड प्यूस्ड सिलिका, एरिलाइट्स, लौह, मिश्रधातु या गैर-मिश्रधातु इस्पात से बने सीमेंसले ट्यूब, पाइप और खोखले प्रोफाइल तथा नॉर्मल ब्यूटेनॉल पर डंपिंग रोधी शुल्क की अवधि बढ़ाई गई है।
■ पांच वर्षों के लिए डंपिंग रोधी शुल्क लगाया गया		

मेटलर्जिकल कोक पर 128 डॉलर प्रतिटन का शुल्क

एक अधिसूचना के अनुसार, ‘अनट्रैडेड प्यूस्ड सिलिका’ के आयात पर डंपिंग रोधी शुल्क 10 फरवरी, 2027 तक बढ़ा दिया गया है। एरिलाइट्स पर यह शुल्क अगले वर्ष 13 जनवरी तक तथा लौह एवं इस्पात उत्पादों पर 27 जनवरी, 2027 तक बढ़ाया गया है। मेटलर्जिकल कोक पर लगाया गया डंपिंग रोधी शुल्क 42.95 डॉलर प्रति टन से 128.83 डॉलर प्रति टन के बीच है।

चीन की कुछ कंपनियों द्वारा लगातार डंपिंग की जा रही थी

पेट, सौंदर्य प्रसाधन और औषधि उद्योग में इस्तेमाल होने वाली सिलिका, रंग एवं प्रिंटिंग इंक में प्रयुक्त एरिलाइट्स तथा लौह एवं गैर-मिश्रधातु इस्पात के कुछ उत्पादों की चीन की कुछ कंपनियों द्वारा लगातार डंपिंग की जा रही थी। वहीं, सौंदर्य प्रसाधन और फ्लेवरिंग उद्योग में इस्तेमाल होने वाला नॉर्मल ब्यूटेनॉल मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से कम कीमत पर आयात किया जा रहा था।

व्यापार हरिभूमि 7

‘पीएम सूर्य घर’ योजना में अबतक 50 लाख रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित

एजेसी ►► नई दिल्ली

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ‘पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना’ के तहत देशभर में 50.06 लाख से अधिक घरों में छतों पर (रूफटॉप) सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि योजना की शुरुआत के दो वर्ष से

■ दो वर्ष से कुछ अधिक समय में यह उपलब्धि हासिल

कु छ अ धि क समय में य ह

उपलब्धि हासिल की गई है, जबकि इससे पहले 10 साल में 7.94 लाख रूफटॉप सौर संयंत्र ही स्थापित किए गए थे। मंत्रालय ने कहा कि 75,021 करोड़ रुपये के परिवर्त्य वाली इस योजना के तहत रूफटॉप सौर क्षमता के विस्तार में तेजी आई है।

आंकड़ों के मुताबिक, पिछले नौ महीनों में इन संयंत्रों की स्थापना की



गति 3.2 गुना बढ़ी है और दैनिक स्थापना अक्टूबर, 2025 के 5,038 से बढ़कर जुलाई, 2026 में करीब 16,328 हो गई है। जुलाई, 2026 में 5.06 लाख घरों में छतों पर सौर संयंत्र लगाए गए, जो अब तक का सर्वाधिक मासिक आंकड़ा है। मंत्रालय ने कहा कि योजना के लाभार्थियों को अब तक 28,024 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से जारी की जा चुकी है। इसका परिणाम यह हुआ है कि करीब 19 लाख परिवारों के बिजली बिल शून्य हो गए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में 12 लाख से अधिक परिवारों ने खपत से अधिक पैदा हुई बिजली को बेचकर कुल 421 करोड़ रुपये अर्जित किए।

रियायती ऋण की सुविधा 21.87 लाख आवेदकों को मिली

मंत्रालय के अनुसार, रियायती दर पर ऋण की सुविधा 21.87 लाख आवेदकों को स्वीकृत की गई है, जिनमें से 17.5 लाख स्थापना ऋण के माध्यम से पूरी की जा चुकी है। इस योजना के तहत अब तक 14.8 गीगावाट की रूफटॉप सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इसके अलावा 34.219 पंजीकृत विक्रेताओं का नेटवर्क विकसित हुआ है, जिनमें से 29,469 संचित हैं, और 2.32 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर म.प्र.					नरसिंहपुर, दिनांक 16/06/2026
क्रमांक 1068/अ.वि.अ./मू.अर्जन/2026 प्रारंभिक अधिसूचना (हेडिंगे घाटा-11)					रा.मा.क्रं. 0007/अ-82/2026-27 मौजा ग्राम- सोकलपुर प.ह.नं. 25 नं.व. 463 तहसील- साईखेड़ा
चूंकि समुचित सरकार को यह प्रतीत होता है कि अनुसूची-1 में कार्यपालन यंत्री रानी अवती बाई लोधी सागर नहर संभान नरसिंहपुर को नर्मदा नदी पर विनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना के लिये बृह बंध हेतु भूमि की आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की सम्भावना है। सर्व संबंधित को यह सूचित किया जाता है कि विनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना की पर्यावरणीय संशुक्ति (EC Identification NO.- EC23B000MP119529) को राज्य स्तरीय पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा दिनांक 30.01.2023 प्रदाय की गई है। भूमि अर्जन पुनर्वसन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिक्रिा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा-6 की उपधारा-2 के अनुसार सिवाई परियोजनाओं के संबंध में जहां पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण की प्रक्रिया की तत्समय प्रवत किसी अन्य विधि के प्राधान्य के अधीन अपेक्षा की जाती, सामाजिक प्रभाव निर्धारण से संबंधित इस अधिनियम के प्राधान्य लागू नहीं होंगे। अतः भूमि अर्जन पुनर्वसन और पुनर्व्यवस्थापन सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आग्रह की सूचना दी जाती है कि इसके द्वारा उक्त परियोजना निम्नानुसार भूमिका अर्जन किया जाता है:-					अनुसूची-1
1. पहरीयोजना का नाम : विनकी बोरस बराज संयुक्त बहुउद्देशीय परियोजना । 2. भूमि का विवरण 1. जिला : नरसिंहपुर 2. तहसील : साईखेड़ा 3. ग्राम : सोकलपुर 4. प.ह.नं. : 25 5. नं.व. : 463 6. अर्जित भूमि का क्षेत्रफल : 12.94म हेक्टेयर					
क्र.	हिनबद व्यक्ति का नाम एवं पता	स्वाभित का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जित रकबा है.	
1	हल्कीबाई पत्नी बलिराम धनिया पत्नी चन्नीलाल छेटीबाई पत्नी भैयालाल नोरिया लीला पिता भैयालाल नोरिया मोहन पिता भैयालाल रिया परशोम पिता भैयालाल नोरिया अतर सिंह पिता भैयालाल नोरिया अर्जुन पिता भेया लाल नोरिया शीलाबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सुशीलाबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सुनीताबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सीताबाई पुत्री भैयालाल नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/1	0.391	
			17/8		
			17/10		
2	सुशीलाल पिता हल्केभैया नोरिया डब्यू पिता हल्के भैया नोरिया शक्करिया पिता हल्केभैया नोरिया अमान सिंह पिता उमराव नोरिया खेमचंद पिता उमराव नोरिया दीवान सिंह पिता उमराव नोरिया कलाबाई पुत्री उमराव नोरिया भागवती पुत्री उमराव नोरिया कोरिया बाई पुत्री उमराव नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/2		
			17/6		
			17/12		
3	खेत सिंह पिता शेर सिंह अनारो बेवा शेर सिंह मुनीबाई बेवा हाकम सिंह नोरिया रामचवर पिता हाकम सिंह नोरिया मलबू पिता हाकम सिंह नोरिया नित्यगोपाल पिता हाकम सिंह नोरिया अनिताबाई पिता हाकम सिंह नोरिया नीलू बाई पिता हाकम सिंह नोरिया दसोलाबाई पिता हाकम सिंह नोरिया सुनीताबाई पिता हाकम सिंह नोरिया पुष्पाबाई पिता हाकम सिंह नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/3		
			17/5		
			17/13		
4	हल्के पिता टीकाराम जाति नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/4		
			17/9		
			17/14		
5	छिदामी वीरन पिता भुपे जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/7		
			17/11		
6	शिवराजसिंह सुधारासिंह होशियारसिंह पिता लालसाहब उर्फ अनंत सिंह पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	17/15,18/4		
			17/23,18/8		
7	कोमल सिंह पिता इमरतसिंह जाति राजपूत पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/16		
8	गोचनसिंह पिता मेहरवार सिंह जाति राजपूत पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/17		
			18/3		
9	भाईजी पिता टीकाराम जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/18		
10	भोपाल सिंह पिता गुलजार सिंह जाति राजपूत पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	17/20,18/5		
11	कलाबाई पति अनंतसिंह उर्फ लालसाहब जाति राजपूत पता उसराय नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	17/21,18/6		
12	कूलकुंवर बाई पुत्री दगपालसिंह मानकुंवर बाई पुत्री दगपालसिंह राजपूत पता उसराय साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिरस्वामी	17/22		
13	शिवराजसिंह सुधारासिंह होशियारसिंह पितालालसाहब उर्फ. अनंतसिंह पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर म.प्र.	भूमिरस्वामी	18/1		
14	भगवानसिंह पिता दगपालसिंह राजपूत पता उसराय साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	18/7		
15	कमलेश सिंह पिता जीवन सिंह जाति राजपूत पता नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	18/9		
16	गोधानसिंह पिता मेहरवार सिंह जाति राजपूत पता उसराय नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	19/1	0.405	
17	भगवानसिंह पिता दगपालसिंह राजपूत पता उसराय साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	19/2	0.419	
18	हल्के पिता टीकाराम जाति नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	16	0.097	
			11	0.166	
			15	0.089	
19	हल्कीबाई पत्नी बलिराम धनिया पत्नी चन्नीलाल छेटीबाई पत्नी भैयालाल नोरिया लीला पिता भैयालाल नोरिया मोहन पिता भैयालाल नोरिया परशोम पिता भैयालाल नोरिया अतर सिंह पिता भैयालाल नोरिया अर्जुन पिता भेया लाल नोरिया शीलाबाई पुत्री भैयालालनोरिया सुशीलाबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सुनीताबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सीताबाई पुत्री भैयालाल नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	4/2,5,2/7/3क/ 6/1,7/3क		
20	छिदामी वीर पिता भुपे जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	14	0.056	
21	सुशीलाल पिता हल्केभैया नोरिया डब्यू पिता हल्के भैया नोरिया शक्करिया पिता हल्केभैया नोरिया अमान सिंह पिता उमराव नोरिया खेमचंद पिता उमराव नोरिया दीवान सिंह पिता उमराव नोरिया कलाबाई पुत्री उमराव नोरिया भागवती पुत्री उमराव नोरिया कोरिया बाई पुत्री उमराव नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	13	0.065	
22	खेत सिंह पिता शेर सिंह अनारो बेवा शेर सिंह मुनीबाई बेवा हाकम सिंह नोरिया रामचवर पिता हाकम सिंह नोरिया मलबू पिता हाकम सिंह नोरिया नित्यगोपाल पिता हाकम सिंह नोरिया अनिताबाई पिता हाकम सिंह नोरिया नीलू बाई पिता हाकम सिंह नोरिया दसोलाबाई पिता हाकम सिंह नोरिया सुनीताबाई पिता हाकम सिंह नोरिया पुष्पाबाई पिता हाकम सिंह नोरिया पिता साईखेड़ा उसराय नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	12	0.073	
			10	0.109	
23	हल्कीबाई पत्नी बलिराम धनिया पत्नी चन्नीलाल छेटीबाई पत्नी भैयालाल नोरिया लीला पिता भैयालाल नोरिया मोहन पिता भैयालाल नोरिया परशोम पिता भैयालाल नोरिया अतर सिंह पिता भैयालाल नोरिया अर्जुन पिता भैयालाल नोरिया शीलाबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सुशीलाबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सुनीताबाई पुत्री भैयालाल नोरिया सीताबाई पुत्री भैयालाल नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	6/2	0.373	
			7/4		
24	छिदामी वीरन पिता भुपे जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	4/2,5,2/7/3क/ 6/1,7/3क		
25	सुशीलाल पिता हल्केभैया नोरिया डब्यू पिता हल्के भैया नोरिया शक्करिया पिता हल्केभैया नोरिया अमान सिंह पिता उमराव नोरिया खेमचंद पिता उमराव नोरिया दीवान सिंह पिता उमराव नोरिया कलाबाई पुत्री उमराव नोरिया भागवती पुत्री उमराव नोरिया कोरिया बाई पुत्री उमराव नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	3/2ख,4/1,5/1 7/2,7/3क		
26	हल्के पिता टीकाराम जाति नोरिया पिता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	2,3/1,3/2क 4/1,7/1,7/2क		
27	छिदामी वीर पिता भुपे जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	7/3/1		
			7/3/2		
28	हरनरामसिंह पिता भाईजी जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	20	0.702	
29	भाईजी पिता टीकाराम जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	21	0.041	
30	गोविंद सिंह पिता भेयाराम जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/3	0.121	
			27/1		
31	रामवती बाई पति हेमराज सिंह जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/1क,27/3क		
32	सोदरन सिंह पिता दीनत सिंह जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/1ख,27/3ख		
33	मेहरवार पिता ओकरा सिंह जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/2क,27/2क 27/2घ		
34	तुलाराम पिता कोमल सिंह पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/2/2/1 26/12,27/11		
35	प्राशांत गुर्जर पिता ऋषि कुमार गुर्जर पता ग्राम धिसरा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/2/2/2		
36	सुखवती बाई पति मेहरवार सिंह जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/2,3,27/2/2		
37	यशवन्त सिंह पिता हनुमंत सिंह जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/4,26/5		
38	नर्मदा भक्त मंडल पतई मंदिर ग्राम पतई तह उदयपुरा जिला रायसेन भक्त मंडल पतई मंदिर ग्राम पतई तह. उदय पुरा जिला महेश व. छेत्रेया उर्फजुजैकेशोर मालपायी पतासोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश निजी संस्था	भूमिरस्वामी	26/6,26/6/5 26/7,26/8,27/6 26/9,26/7,27/8		
39	श्री निर्दिका पथ अय्यक्ष प्रद्योतम पिता सीताराम जाति चौरसिया पता सोकलपुर जबलपुर नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	26/10,27/9 26/11,27/10		
40	श्रीबाई पति भैयाजी राठेरा पिता भैयाजी जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	28/1	0.028	
			28/2	0.029	

क्र.	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नंबर	अर्जित रकबा है.
41	सोवरन सिंह छोटे भैया पारसरसिंह पिता भैयाजी बड़ीबाई गायत्रीबाई नीबाई जिननबाई पुत्री भैयाजी जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	28/3	0.040
			28/4	0.102
42	चतुराबाई पत्नी कारेलाल लीलाधर जीजनबाई बड़ीबाई विशालबाई पिता कारेलाल जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	35/1	0.65
43	गुल्लू पिता छिदम्मा नोरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	35/2	0.34
44	गुलाबसिंह पिता मुशीलालखेमचंद हीरालाल पिता गुलाबसिंहकेवट पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	35/6	0.34
45	रविशंकर पिता बलदेव जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	35/4	0.038
			35/5	0.038
46	हुकुम हल्के पिता झलकन पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	35/3	0.02
47	चित्रा पत्नी ओमप्रकाश जाति गुजर सत्यप्रकाश नाबालिग पिता ओमप्रकाश बली माँ चित्रा जाति गुजर सोनल नाबालिग पत्नी ओमप्रकाश वली माँ चित्रा पटेल जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	63/1	0.028
48	लखन पिता खुमानसिंह गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	64	0.430
49	छिठी बाई पति गोरेलाल गोड पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	65/1	0.049
50	छेटीबाई पत्नी सूरत सिंह दिलदार कृष्णाल हिरा शारदा फूलवती बाई पीस सूरत सिंह पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	65/2	0.049
51	अजबसिंह पिता रुस्तम सिंह गुजर पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	68/1	0.142
52	व्यामनसिंह पिता पन्नालाल गुर्जर नरसिंहपुर	भूमिरस्वामी	68/2	0.141
53	चित्रा पति ओमप्रकाश सत्यप्रकाश सोनल न. बा. पिता ओमप्रकाश वली माँ चित्रा पटेल गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	69/1	0.043
			69/2	0.019
54	पारस सिंह पिता बाबुलाल जाति गुर्जर पता सोकलपुर गाडरवारा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	69/3	0.011
			69/4	0.051
55	भेयासाहब पिता राघेलाल साहबलाल पिता राघेलाल जाति गुजर पता साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	73/1	0.373
56	रेवतीबाई पत्नी रामचरण जाति ब्राह्मण पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	73/2	0.467
			75	0.599
			96	0.832
57	श्री देव रामजानकी मंदिर सोकलपुर सर. रामकिशन आ. खुमान सा थाला रामचरण गुरू गोपाल दास सा. देव प्रबंधक कलेक्टर महोदय नरसिंहपुर	भूमिरस्वामी	72	0.024
58	परमानंद पिता रामचरण जाति ब्राह्मण पता सोकलपुर गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	74	0.150
59	श्री देवनर्मदा जी वैदिक ब्रह्मवार्धाम्ब सरनारायण प्रसाद पिता कमलनयन प्रबंधक श्रीमान कलेक्टर महोदय नरसिंहपुर जाति राजौरिया पता अनधोरा गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	76	0.012
			95	0.016
			97	0.963
			98	0.032
			99	0.040
			100	0.050
			106	0.369
			107	0.186
			131	0.421
60	रविशंकर पिता बलदेव रामकिशोर पिता बुजलाल जाति नोरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	101	0.227
61	बुद्ध सुन्दर दुर्गा पिता विश्वप्रसाद सहिता सुमन पीस विश्वप्रसाद सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	104/3	0.113
62	बद्रीजगदीश भगवानपसा जिननबाई पिता रामसिंह जाति दीमर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	104/1	0.138
63	होतोलाल पिता चंतीलाल रामकिशोर विशालबाई पिता बुजलाल रविशंकर हरनारायण भुनीबाई हरिबाई सुमनबाई पिता वन्देव सुन्नाबाई पिता कारेलाल जाति नोरिया पता सा. सौरेगाव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	104/2	0.243
64	जसपन पिता रमेश नोरिया सा उत्पन्न साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	108/1	0.054
			109/1	0.065
			110/1	0.021
65	जगदीश पिता रमेश नोरिया सा उत्पन्न साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	108/2	0.054
			109/2	0.065
			110/2	0.022
66	यशवंत पिता रमेश जाति नोरिया पता उत्पन्न साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	108/3	0.054
			109/3	0.065
			110/3	0.023
67	सोवरन पिता रमेश जाति नोरिया पता उत्पन्न साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	108/4	0.054
			109/4	0.065
			110/4	0.024
68	शंकर पिता खुरसोलाल जाति नोरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	129/1	0.035
			130/1	0.022
69	विश्वप्रसाद पिता दुन्दुबे जाति नोरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	129/2	0.035
			130/2	0.022
70	लीलावती पत्नी दयाली रत्नकुनबाई आ दयाली जाति केवट पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	132/1	0.263
			136/1/2	0.082
71	वकोबाई पत्नी कमल चन्द्रमान शिशुपाल सोपेबाई अनौता मोहन पीस कल जाति केवट पता सोकलपुर गाडरवारा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	132/2	0.263
			136/2	0.114
72	बाबुलाल पिता खुमानसिंह गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्य प्रदेश	भूमिरस्वामी	133/2,134/3	0.576
73	श्रीबाई पिता भैयाजी राकेश पिता भैयाजी जाति गुजर पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	133/1,134/1	0.218
74	प्रहलाद पिता मनमोद पता नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	188/1	0.126
75	रामचरन पिता मनमोय पता नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	188/3	0.166
76	भरत सिंह पिता गनेशप्रसाद जाति गडरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	188/4/1/1	0.032
77	रामलेख पिता गनेशप्रसाद जाति गडरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	188/4/1/2	0.032
78	काशीराम पिता गनेशप्रसाद जाति गडरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	188/4/1/3	0.032
79	हन्नाराम पिता गयाप्रसाद जाति गडरिया पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	188/4/2	0.125
80	गोपाल प्रसाद पिता जानकीप्रसाद जाति केवट पता सोकलपुर साईखेड़ा नरसिंहपुर मध्यप्रदेश	भूमिरस्वामी	190	0.482
	कुल योग			12.944
यह अधिसूचना इससे संबंधित सभी व्यक्तियों के लिये भूमि अर्जन पुनर्वासी और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम 2013 (2013 का 39) की धारा 11 (1) उपबन्धों के अधीन जारी की गई है। राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ 16-15 (7) - 2014 - साह - शा. 2ए भोपाल दिनांक 29.01.2014 जिसका विवरण राजपत्र दिनांक 03.10.2014 के पृष्ठ क्रमांक 2895 पर प्रकाशन किया गया है। उक्त अधिसूचना के परिपालन में प्रभारी अधिकारी भू-अर्जन शाखा नरसिंहपुर को अधिनियम की धारा-12 द्वारा दी गई शक्ति का प्रयोग करने के लिए निर्देशित किया जाता है। सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-12 में दथे उपबन्धित एवं विनिर्दिष्ट कार्यपालन यंत्री रानी अवतीबाई लोधी सागर नहर संभाम नरसिंहपुर और उसके कर्मचारियोंदूत को भूमि में प्रदेश करने और सरकार सर्वेक्षण करती है, किसी भी भूमि के स्तर लेने, अनुसूचन में खुदाई करने या वेहन करने और अपने कार्य के उचित निष्पादन के लिये अपेक्षित सभी अन्य कार्य करने के लिये प्राधिकृत करती है। अधिनियम की धारा-11(4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसी अधिकारी के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संयवहार नहीं करेगा या कोई भी संयवहार नहीं होने देना अर्थात क्रय विक्रय आदि नहीं करेगा या ऐसी भूमि पर कोई भी विलग्नम सृजित नहीं करेगा। अधिनियम की धारा-15 (1) के अधीन यथा उपबन्धित सर सूचना के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर किसी इच्छुक व्यक्ति द्वारा भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर (कक्ष क्र. 84, भू-अर्जन शाखा, नरसिंहपुर) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा के समक्ष। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गाडरवारा) में आभेय यदि कोई भी फाईल किए एा सके। भूमि में संबंधित स्टाकन अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अनुविभाग गाडरवारा कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को कार्य समय में दौरान देखा जा सकता है।				
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार ।				
(मणिधर कुमार सिंह)		(श्रीमति रजनी सिंह)		
अनुविभागीय अधिकारी, (रा.) गाडरवारा		कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव,		
G-16673/26		मध्यप्रदेश शासन राज्यतः विभाग		
		जिला नरसिंहपुर (म.प.)		
		"स्वच्छता ही सेवा"		

कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने बैतूल में हुए बलराम कृषि महोत्सव की वीसी में किसानों से किया संवाद

हरिभूमि न्यूज़ | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खेती की नई तकनीकें ही किसानों की समृद्धि का नया द्वार हैं। किसान जितना अधिक नई तकनीक, आधुनिक कृषि पद्धतियों और शासन की योजनाओं से जुड़ेंगे, उनकी आय उतनी ही बढ़ेगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र में उद्यानिकी (बागवानी) फसलों का उत्पादन बढ़ता जा रहा है। बागवानी फसलों के विकास एवं विस्तार में

खेती की नई तकनीकें हैं किसानों की समृद्धि का नया द्वार मप्र को बागवानी फसल विकास में मिला पहला पुरस्कार



उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए देश का पहला पुरस्कार मप्र को मिला है। यह सरकार की किसानों की जिंदगी को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बैतूल जिले की प्राकृतिक सम्पदा, उपजाऊ भूमि और मेहनतकश किसानों की सराहना करते हुए कहा कि जिस धरती को सूर्यपुत्री मां ताप्ती सहित सात नदियों का आशीर्वाद प्राप्त हो, वहां की उर्वरता और कृषि उत्पादन का कोई मुकाबला नहीं है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि किसानों की चिंताओं को कम करने और उनकी समृद्धि को बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार 15 जुलाई से 13 नवंबर तक बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन कर रही है।

तकनीक को जानें और अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाएं

मुख्यमंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे इस महोत्सव का अधिकतम लाभ उठाएं, विशेषज्ञों से संवाद करें, नई तकनीकों को जानें और उन्हें अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाएं। उन्होंने प्रदेश के किसानों के हित में सरकार की ओर से लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि मूंग उत्पादक किसानों की मांग को देखते हुए उपार्जन के लिए पात्र किसानों की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। हम किसानों की 60 प्रतिशत मूंग खरीदेंगे। स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तथा मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त तक बढ़ा दी गई है।

ई-टोकन व्यवस्था को भी हमने तत्काल प्रभाव से स्थगित किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था को भी हमने तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष समर्थन मूल्य के साथ बोनास देकर गेहूँ का रिकॉर्ड उपार्जन किया गया है। धान उत्पादक किसानों को 4 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है। प्रदेश में पहली बार कोढ़े-कुटकी की रिकॉर्ड खरीदी करते हुए किसानों को एक हजार रुपये प्रति विंटेनल बोनास भुगतान भी सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार खेत से बाजार तक पूरी कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। फूड प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, गेडिंग, पैकेजिंग, वैक्यूम पैडिंग तथा कृषि निर्यात को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने किसानों की आवश्यकत करते हुए कहा कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

2023 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले भाजपा को 1800 वोट अधिक मिले

दतिया में कांग्रेस ने की वापसी, आजाद समाज पार्टी ने बदल दिया दतिया चुनाव का पूरा गणित

हरिभूमि न्यूज़ | भोपाल

दतिया विधानसभा उप चुनाव के नतीजों ने मप्र की राजनीति की नई तस्वीर पेश की है। कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हराकर सीट पर कब्जा जमा लिया। कांग्रेस को 66,757 (42.39%) वोट मिले, जबकि भाजपा 60,741 (38.57%) वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रही। सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर यह हुआ कि आजाद समाज पार्टी ने तीसरे मोर्चे के रूप में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

2023 के विधानसभा चुनाव में दतिया में 1,76,942 वोट पड़े थे। इस बार कुल 1,57,499 मत पड़े। यानी 19,443 वोट कम पड़े। 2023 के चुनाव में भाजपा के डॉ. नरोत्तम मिश्रा को 81,235 वोट मिले थे। जबकि आशुतोष तिवारी को केवल 60,741 वोट मिले, यानी भाजपा को 20,494 वोटों का नुकसान हुआ है। कांग्रेस के राजेंद्र भारती को 2023 में 88,977 वोट मिले थे। घनश्याम सिंह को 66,757 वोट मिले, यानी कांग्रेस के वोट भी 22,220 कम हुए। कम मतदान के बावजूद कांग्रेस अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रही और सीट जीत ली।

कांग्रेस भी पिछली बढ़त कायम नहीं रख सकी, पिछली बार से नोटा भी पीछे छूटा



तीसरे मोर्चे ने बदला हार-जीत का पूरा समीकरण

उप चुनाव में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रत्याशी दामोदर यादव 'मंडल' को 22,527 वोट (14.30%) मिले। यह प्रदर्शन चुनाव का सबसे बड़ा राजनीतिक फैक्टर माना जा रहा है। तीसरे

मोर्चे की मजबूत मौजूदगी ने भाजपा और कांग्रेस दोनों के पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित किया। बताते हैं कि दामोदर यादव के साथ ही अन्य ओबीसी और दलित वोट लेने में सफल रहे।

लोधी मतदाताओं ने कम किया हार का अंतर

ग्वालियर-चंबल में दो उप चुनाव हुए, दोनों में भाजपा को नुकसान

2023 आम चुनाव के बाद ग्वालियर-चंबल में दो उप चुनाव हुए। दोनों में भाजपा को खासा नुकसान उठाना पड़ा है। नवंबर 2024 में विजयपुर सीट पर उप चुनाव हुए, इसमें कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए और सरकार में मंत्री रहे रामनिवास रावत को कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने चुनाव हरा दिया था। मुकेश मल्होत्रा को रावत से सात हजार से ज्यादा वोट मिले थे। इसके बाद अब दतिया में फिर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।

दतिया में तीसरे राउंड से कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने बढ़त बना ली थी। यह बढ़त लगातार बढ़तर गई और 12 वें राउंड तक में भाजपा के आशुतोष तिवारी 12607 वोट से पीछे हो गए। इसके बाद 13 वें राउंड से लीड कम होकर 11054 हुई। इसके बाद 14 वें राउंड में लीड 7540 और 15 वें राउंड में लीड कम होकर 6020 पर आ गई। यह वोट बसाई इलाके का है। यहां पर पिछली बार नरोत्तम को कम वोट मिले थे। लोधी बहुल इस क्षेत्र में दूसरी जाति के लोग भी रहते हैं। यहां पर भाजपा ने जातिगत समीकरण साधते हुए नेताओं को जिम्मेदारी दी थी। दो राउंड में ही जीत का अंतर आधा होने से साफ है कि भाजपा बसाई में अपनी रणनीति में सफल रही।

दतिया विधानसभा चुनाव में किसे कितने वोट मिले

- भाजपा - आशुतोष तिवारी - 60,741 (हारे)
- कांग्रेस - घनश्याम तिवारी - 66,757 (जीते)
- आजाद समाज पार्टी - दामोदर यादव - 22527

जीत-हार का अंतर - 6016

उप चुनाव का गणित

- ▶ मतदान केंद्रों की संख्या - 291
- ▶ मतदाताओं की संख्या - 2,20,410
- ▶ कुल पड़े मतदान - 1,57,414
- ▶ कुल प्रतिशत - 74.42
- ▶ पुरुष मतदान - 74.05
- ▶ महिला मतदान - 67.49

संत रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार होगा शुरू

माघ पूर्णिमा पर सरकारी अवकाश और शराब की बिक्री बंद रखने के छग सीएम ने दिए आदेश

हरिभूमि न्यूज़ | रायपुर

संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के तहत आयोजित प्रदेश स्तरीय कलश वंदन अभियान की शुरुआत के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कई अहम घोषणाएं कीं।

उन्होंने माघ पूर्णिमा पर सरकारी अवकाश, शराब बिक्री बंद रखने और संत रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार शुरू करने का ऐलान किया। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर मंगलवार को राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रदेश स्तरीय कलश वंदन अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और समाज के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

संत रविदास के संदेशों को विस परिसर में अंकित रखा जाए

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब माघ पूर्णिमा के अवसर पर पूरे छत्तीसगढ़ में सरकारी अवकाश रहेगा। साथ ही इस दिन प्रदेश में मदिरा बिक्री पूरी तरह बंद रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार अब संत गुरु रविदास के नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार प्रदान करेगी, ताकि उनके विचारों और सामाजिक योगदान को सम्मान दिया जा सके। मुख्यमंत्री ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि नवा रायपुर के एक प्रमुख चौक का नाम संत रविदास के नाम पर रखा

जाएगा। इसके अलावा उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से आग्रह करने की बात कही कि संत रविदास के प्रेरणादायी संदेशों को छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में अंकित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के तहत शुरू हुआ यह अभियान फरवरी 2027 तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य संत रविदास के समता, सामाजिक सद्भाव और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

लोगों ने की चालक पर सख्त कार्रवाई की मांग

निजी स्कूल बस की चपेट में आने से मासूम की मौके पर ही दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज़ | रायपुर

विधानसभा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो वर्षीय बच्चे की जान चली गई। निजी स्कूल की बस की चपेट में आने से मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने थाने पहुंचकर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

दर्दनाक सड़क हादसे ने सभी को झकझोर दिया। विधानसभा थाना क्षेत्र के अंडरब्रिज के पास एक निजी स्कूल बस की चपेट में आने से दो वर्षीय मासूम की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार विधानसभा क्षेत्र के

अंडरब्रिज के पास रहता है। सुबह करीब 8 बजे स्कूल बस बच्चों को लेकर अपने निर्धारित मार्ग से गुजर रही थी। इसी दौरान सर्विस रोड पर मौजूद दो वर्षीय बच्चा बस की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि बच्चे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजन और आसपास के लोग बड़ी संख्या में विधानसभा थाना पहुंच गए। उन्होंने बस चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए थाने का घेराव किया और अपना विरोध दर्ज करवाया। पुलिस ने परिजनों को निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया है। फिलहाल बस चालक और कंडक्टर से पूछताछ की जा रही है। वहीं, बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

युवाओं की भागीदारी देशभक्ति की भावना के प्रसार का बनेगी सशक्त माध्यम

युवाओं की भागीदारी से 9 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ | भोपाल

खिलाड़ियों के पोषण और प्रशिक्षण पर दें विशेष ध्यान

- ▶ सभी सांदीपनि विद्यालयों में उपलब्ध भूमि पर बनेंगे खेल परिसर
- ▶ खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए केंद्रीय खेल मंत्रालय से निरंतर करें समन्वय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अगस्त आजादी का पर्व मनाने का महीना है। हम सब हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाएं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस मनाया जाए। इस दिन भोपाल में नागरिकों और युवाओं के सहयोग से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाए। यह तिरंगा यात्रा समाज में अपनी आजादी को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा सहित देशभक्ति की भावना के प्रसार का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को राज्य शूटिंग अकादमी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं और विभागीय मैदानी गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मप्र युवा आयोग के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, सचिव मुख्यमंत्री डॉ. सुदाम खांडे, सचिव खेल संजीव सिंह, संचालक खेल अंशुमन यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।



उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कहा कि हमारे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और कौशल से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में मप्र का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों के पोषण, प्रशिक्षण एवं उनके कौशल सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में नवीन तकनीकों को अपनाया जाए। ओलम्पिक, एशियाड और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और पुरस्कार नियमों का जल्द से जल्द निर्धारण किया जाए, ऐसे खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्त करने और प्रोत्साहन राशि देने जैसे सभी प्रबंध किए जाएं।

रुद्रेश्वर महादेव मंदिर घाट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

सावन के पहले सोमवार पर महानदी चित्रोत्पला की उतारी आरती, विद्वान पंडित रहे मौजूद



हरिभूमि न्यूज़ | धमतरी

जिले के रुद्री के रुद्रेश्वर महादेव मंदिर घाट में सोमवार की रात बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। मंदिर घाट में पहले सावन सोमवार के उपलक्ष्य में गंगा आरती की गई।

सात पंडितों के द्वारा एक साथ मंत्र उच्चारण करते हुए महानदी चित्रोत्पला की आरती शुरू की गई। इस गंगा आरती में धमतरी ही नहीं आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सावन माह के पहले सोमवार में रुद्रेश्वर महादेव मंदिर में एक अलौकिक दृश्य देखने को मिला। जब वाराणसी में

मां गंगा की आरती की तर्ज पर धमतरी में युवा ब्रिगेड के द्वारा महानदी की आरती का आयोजन किया गया। भक्तों ने बताया कि धमतरी जिले में महानदी रुद्रेश्वर घाट पर पहली बार गंगा आरती का आयोजन किया गया है। आरती को देखकर बनारस का अनुभव हो रहा था, जो कि गंगा आरती हर वर्ष इसी तरह सावन में हर सोमवार को किया जाना चाहिए। बताया कि गंगा आरती देखने के लिए भक्तों की काफी भीड़ लगी हुई थी फिर भी सभी भक्त गंगा आरती देखने के लिए और शामिल होने के लिए पहुंचे हुए थे।

सावन के सभी सोमवार पर होगा आरती का आयोजन आयोजन कर्ता युवा ब्रिगेड के सदस्यों ने बताया कि महानदी रुद्रेश्वर घाट में पहली बार गंगा आरती का प्रयास किया गया है। कुछ महिने पहले युवा ब्रिगेड के सभी सदस्यों के मन में गंगा आरती करने की बात उठी। लगातार आने वाले तीन सोमवार तक सावन में यह गंगा आरती आयोजित की जाएगी। बताया गया कि पहले सोमवार की अपेक्षा आने वाले सोमवार को भव्य रूप से आयोजन किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों बताया कि ऐसी कार्यक्रम की कल्पना किसी ने नहीं की थी रुद्रेश्वर कॉरेडोर की बात जो कहा जा रहा है। उसमें गंगा आरती भी शामिल है और एक अच्छी पहल बनारस नगरपाली के तर्ज पर महानदी तट पर देखने को मिला है।

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला नरसिंहपुर म.प्र.

प्रारूप V (नियम 10 देखें) धारा 19 (1) के तहत पुनर्वासन एवं पुनर्वसर्थास्थान घोषणा का प्रकाशन सचिव, राजस्व विभाग				
क्रमांक 488/अ.वि.अ./ भू.-अर्जन / 2026		गोटेगांव, दिनांक - 16/07/2026		
रा.मा.क्र. 07 / अ-82 / 2025-26 मौजा ग्राम रोहिया, प.ह.नं. 90 तहसील- गोटेगांव				
जहां सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि लोक प्रयोजन शेर शिवाई काम्पलेक्स परियोजना के दृढ़ क्षेत्र हेतु ग्राम - रोहिया प.ह.नं. 90 नं.ब. - 518 तहसील - गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में कुल 6.510 हेक्टेयर भूमि अपेक्षित है। इसलिये घोषणा की जाती है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भूखंड है, जो 6.510 हेक्टेयर है ग्राम रोहिया तहसील गोटेगांव जिला नरसिंहपुर में है, जिसका विस्तृत व्यौरा निम्नलिखित है :-				
ग्राम - रोहिया प.ह.नं. 90 नं.ब. - 518 तहसील - गोटेगांव				
क्र. सं.	खातेदार का नाम, पिता/पति का नाम	स्वामित्व का प्रकार	खसरा नं.	अर्जित रकबा (है. मै)
1	रामजी पुत्र रूपसिंह गौड, संघ्या पुत्री रूपसिंह गौड, अंजनीबाई बेवा गणेश गौड, केराबाई पुत्री सुन्दरलाल गौड, विजय पुत्र गणेश गौड, भान्तिबाई पुत्री सुन्दरलाल गौड, रोशनी पुत्री गणेश गौड, गनाराम पिता सुन्दरलाल गौड सुखलाल पुत्र रूपसिंह गौड, फूलमति बेवा रूपसिंह गौड जाति गौड पता रोहिया रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश 487118 भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	220	0.400
2	गिन्दू लाल पुत्र रतिराम गौड, कोशाबाई पुत्री भीकम गौड, बत्तेशीबाई ठाकुर पुत्री रतिराम गौड, गुलाब पुत्र भीकम गौड जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	244/1	0.080
3	अम्बालाल पुत्र गिरन गौड, सरोज बाई पुत्री गिरन गौड पता लखनादीन नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	244/2	0.010
4	राजेश पिता किसान, बलीराम पिता किसान, श्यामबाई पुत्री किसान, कलाबाई पुत्री किसान,मुन्नीबाई पुत्री किसान जाति गौड पता गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	245	0.011
5	गिन्दू लाल पुत्र रतिराम गौड, कोशाबाई पुत्री भीकम गौड, बत्तेशीबाई ठाकुर पुत्री रतिराम गौड, गुलाब पुत्र भीकम गौड जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	246/1	0.130
6	अम्बालाल पुत्र गिरन गौड, सरोज बाई पुत्री गिरन गौड पता लखनादीन नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	246/2	0.280
7	लखनलाल पुत्र सन्तु, सरूप पुत्र सन्तु, हरिशरण पुत्र सन्तु, राजेश पुत्र सन्तु, विरमाबाई बेवा सन्तु जाति गौड पता रोहिया रोहिया गोटेगांव गौड नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	247	0.628
8	रामदयाल पिता टीकाराम जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	252-253/1	1.132
9		भूमि स्वामी	253/2	1.150
10	धनाबाई पति श्रीरामदयाल जाति गौड पता निवासी ग्राम भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	254/1	0.729
11	मुनीम पिता कोदूलाल जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	254/2	0.0550
12	लक्ष्मण पुत्र रघुवीर, गोपाल ठाकुर पुत्र रघुवीर, रामकुमार ठाकुर पुत्र रघुवीर, जना बाई ठाकुर पुत्री रघुवीर गौड जाति गौड पता रोहिया मुगवानी गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	257	0.560
13	धुरकोर्बाई पुत्री बारेलाल जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	258/1	0.100
14	पार्वती गौड बेवा फूलसिंह, सरोजबाई पुत्री फूलसिंह, लक्ष्मीबाई पुत्री फूलसिंह, श्यामा बाई गौड पुत्री फूलसिंह जाति गौड पता रोहिया मुगवानी गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	263/1/1	0.100
15	खेतसिंह बन्धू कुवरमन जाति गौड पता सा. देह भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	263/1/2	0.100
16	दशरथ पिता टीकाराम जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	263/1/3	0.150
17	लखन पिता सन्तराम जाति गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	263/1/4	0.380
18	सतोदेवी गौड पत्नी महाराजसिंह, बबीता पुत्री महाराजसिंह गौड, विसनलाल गौड पुत्र भारतसिंह, कलवती पुत्री महाराजसिंह गौड, अमरकाश सिंह गौड पिता महाराजसिंह गौड, देवकी पुत्री महाराजसिंह गौड पता रोहिया गोटेगांव नरसिंहपुर मध्यप्रदेश भूमि स्वामी	भूमि स्वामी	281/2-3	0.020
कुल योग			6.510	

कुल निजी अर्जित भूमि 6.510 है.

सरल क्रमांक- 09 खसरा नम्बर 253 / 2 रकबा 1.150 हेक्टेयर अनुविभागीय अधिकारी गोटेगांव के प्रकरण क्रमांक 0490 / अ - 6 - अ / 2025 26 एवं लोकसेवा गोटेगांव के प्रकरण क्रमांक फर/452/0737/1867 / 2025 के अंतर्गत खसरा सुधार का प्रकरण लिखित है।

1. कार्यपालन यंत्री पंच व्यवर्तन जलसंस्थान सभाग क्र. 01 चौरई जिला छिंदवाडा के द्वारा प्रमाण प्रस्तुत किया गया है कि भू- अर्जन के कारण विस्थापित होने वाले समाविष्ट कुटुम्ब की संख्या निरुक्त है, अतः इनके लिए पुनर्व्यवस्थापन के क्षेत्र खिन्तित करने का प्रयत्न उद्भूत नहीं होता है।

2. शेर सिवाई काम्पलेक्स परियोजना के दृढ़ क्षेत्र हेतु हितवद्द व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति का विस्थापन नहीं होने से सारा 19 की उपधारा (2) के तहत पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन स्वीम का सार प्रकाशित करने की आवश्यकता नहीं है।

3. उक्त भूमि के या उक्त भूमि के किसी भाग में पड़े कोयला, लौह तत्त्व, रस्ते या अन्य खनिजों की खानें है, खान और खनिज के ऐसे भागों में किन्हे उस प्रयोजन, जिसके लिए भूमि अर्जित की जा रही है, की परियोजना निर्माण धरण के दौरान खोदे जाने या हटायें या उपयोग किए जाने की अपेक्षा है, को छोड़कर आवश्यक नहीं है।

4. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) गोटेगांव के कार्यलय में किसी भी कार्य दिवस को भूमि योजना का निरीक्षण किया जा सकता है।

(संघमित्रा गौतम)

अनुविभागीय अधिकारी
सह भू अर्जन अधिकारी
गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर

(रजनी सिंह)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग
जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)

G-16674/26

इजराइली पीएम नेतन्याहू बोले पीएम मोदी सबसे अच्छे दोस्त, भारत अहम साझेदार, नया गठबंधन करेंगे

एजेंसी ►► यरुशलम

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत और पीएम नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत इजराइल के सबसे अहम साझेदारों में से एक है और पीएम मोदी उनके सबसे अच्छे दोस्तों में शामिल हैं। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि भारत से उन्हें और इजराइल को मिलने वाला समर्थन अविश्वसनीय है। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि अन्य देशों के साथ भी अपने रिश्ते मजबूत कर रहा है। इसी रणनीति के तहत भारत के साथ संबंधों को विशेष महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने कहा हमें नए गठबंधन बनाने होंगे। इसलिए मैं भारत के साथ अपने संबंधों में लगातार निवेश कर रहा हूँ। मेरे मित्र नरेंद्र मोदी हमारे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं।

खबर संक्षेप

टेमाला में ज्वालामुखी फटा, ऑरेंज अलर्ट जारी

ग्वाटेमाला सिटी। मध्य अमेरिका के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी के फटने के बाद ग्वाटेमाला में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। इस विस्फोट के कारण भयानक गर्म राख और गैस पैदा हुआ है, जिसके बाद एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों को खाली कराया जा रहा है। सोमवार सुबह पयूगो ज्वालामुखी में विस्फोट शुरू हो गया और रात होने तक इसने बेहद खतरनाक रूप ले लिया। इसमें से बहता लावा और राख का गुबार हवा में लगभग 6 किमी की ऊंचाई तक उठ रहा है।

युगांडा में वैन और ट्रक की टक्कर, 14 की मौत

कंपाला। युगांडा में एक यात्री वैन और रेत ले जा रहे ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा सोमवार रात कायसगु जिले के कमुगा ट्रैडिंग सेंटर इलाके में एक राजमार्ग पर हुआ। मरने वाले सभी लोग वैन में सवार यात्री थे। वहीं, चार अन्य घायल हो गए। वे ट्रक चालक की तलाश कर रहे हैं, जो घटनास्थल से फरार हो गया था। जुलाई में 20 बच्चों की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अदालत पहुंचे 25 राज्य

एजेंसी ►► न्यूयॉर्क

अमेरिका में 25 राज्यों के एक गठबंधन ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। कोर्ट के एक डॉक्यूमेंट के अनुसार, इसमें कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 60 व्यापारिक साझेदारों के सामान पर बड़े नए टैरिफ लगाकर अपने कानूनी अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है। यह शिकायत यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड में दायर की गई है। इसमें हाल ही में लगाए गए शुल्कों को चुनौती दी गई है।

लश्कर के टॉप कमांडर रिजवान हनीफ का सार्वजनिक स्तर पर बड़ा कबूलनामा

3-4 सालों में ‘अज्ञात गनमैन’ ने मार दिए 30 से ज्यादा आतंकवादी

एजेंसी ►► इस्लामाबाद

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के शीर्ष कमांडर रिजवान हनीफ ने बड़ा कबूलनामा किया है। उसने कबूला है कि पिछले 3 से 4 वर्षों में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में संगठन के 30 से अधिक आतंकवादी ‘अज्ञात गनमैन’ के हाथों मारे गए हैं। इन हत्याओं को मुख्य रूप से रावलकोट, रावलपिंडी, कराची, पेशावर और मुजफ्फराबाद जैसे इलाकों में अंजाम दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में लश्कर के शीर्ष कमांडर रिजवान हनीफ ने इन हत्याओं के लिए सीधे तौर पर भारतीय खुफिया एजेंसियों को जिम्मेदार ठहराया है।

पीएम नेतन्याहू ने कहा कि भारत के साथ संबंधों को विशेष महत्व दिया जा रहा है

रक्षा, कृषि, नवाचार में सहयोग जारी दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर संवाद जारी

भारत के समर्थन को बताया ‘अविश्वसनीय’



पीएम नेतन्याहू, पीएम मोदी

नेतन्याहू ने कहा कि लोग कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल अलग-थलग है, लेकिन भारत में इजराइल और मुझे जो समर्थन मिलता है, वह वास्तव में अविश्वसनीय है। बता दें, हाल के वर्षों में भारत और इजराइल के बीच रक्षा, कृषि, तकनीक, नवाचार, साइबर सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग जैसे कई क्षेत्रों में साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। दोनों देश विभिन्न वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी लगातार संवाद बनाए हुए हैं।

फाइल फोटो

साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल बोले

पीओके में पाकिस्तान का चुनाव दिखावा वहां हत्याओं के खिलाफ विश्व कदम उठाए

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे “तथाकथित चुनावों” को दिखावा करार दिया है और वैश्विक संगठनों से अपील की कि आम नागरिकों पर हो रही ज़्यादती के खिलाफ कदम उठाएं। मंगलवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में यह तथाकथित स्थानीय चुनाव पूरी तरह से दिखावा है। वास्तविक स्थिति वहां हो रहे जन प्रदर्शन और पाकिस्तानी बलों द्वारा की जा रही निर्मम हत्याओं की है। ऐसे खोखले दावे वास्तविकता से अलग हैं।

पीओके में प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के परिणाम को रेखांकित करते हुए जायसवाल ने कहा कि वहां जो जन प्रदर्शन चल रहा है वहां जून से अब तक 90 लोग मारे गए हैं और कई और घायल हुए हैं। वहां की सत्ता व्यवस्था जनता के असंतोष का जवाब गोली से, संचार बंदी, दमन और भमकी से दिया है।

जायसवाल ने कहा कि वहां जो जन प्रदर्शन चल रहा है वहां जून से अब तक 90 लोग मारे गए हैं और कई और घायल हुए हैं। वहां की सत्ता व्यवस्था जनता के असंतोष का जवाब गोली से, संचार बंदी, दमन और धमकी से दिया है

पीओके में जनक्रोश का पाकिस्तान ने गोलियों और दमन से दिया जवाब

पाखंडपूर्ण मुकौट्टे के पार देखना जरूरी



रणधीर जायसवाल, प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

जून से अब तक 90 लोगों की मौत और कई घायल हुए हैं

जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में तथाकथित स्थानीय चुनाव पूरी तरह से एक ढकोसला हैं। वहां की वास्तविक स्थिति जनता के विरोध प्रदर्शन और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा की जा रही अंधाधुंध हत्याएं हैं। ऐसे खोखले चुनाव वास्तविकता को नहीं छिपा सकते। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब खोखले चुनावी अड्डास ये धेekता का भ्रम पैदा कर रहा है। इसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। विश्व समुदाय को मानवाधिकार पर पाकिस्तान के पाखंडपूर्ण उपदेशों के मुकौट्टे के पार वास्तविकता को देखना चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

जायसवाल ने कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। हम तो सभी देशों से सीमा पार आतंकवाद और इसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की अपील करते हैं। हम पाकिस्तान से भी सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ सख्त एक्शन लेने और अपनी धरती से चल रहे आतंकी ठिकानों को खत्म करने की अपील करते हैं।

दो भारतीय अब भी लापता

यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हुए जहाज एजीएन रागनार पर हुए हमले के बाद लापता दो भारतीय नागरिकों की तलाश जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जहाज पर चार भारतीय सवार थे। इनमें से दो सुरक्षित हैं, जबकि दो अब भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से यूक्रेन और रोमानिया में स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हैं। खोज और बचाव अभियान जारी है तथा भारत सरकार दोनों भारतीय नागरिकों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार भारतीय नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

बंगाल सीएम सुवेंदु के काफिले की रेकी सीसीटीवी ने नाकाम की जैश की साजिश, पाक से मिल रहे थे निर्देश

एजेंसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी जैश-ए-मोहम्मद के निशाने पर थे। दरअसल, पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने पिछले सप्ताह पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान कस्बे से संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद सहयोगी हमीम मंडल को गिरफ्तार किया था। एसटीएफ अधिकारियों और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआई) ने लंबी पूछताछ की। इस दौरान मंडल ने स्वीकार



किया कि पाकिस्तान स्थित उनके प्रबंधकों ने उन्हें साफ निर्देश दिए थे कि वीवीआईपी के आवासों या आसपास के क्षेत्रों की तस्वीरें या वीडियो लेते समय सीसीटीवी फुटेज में न पकड़े जाएं। फिलहाल, मंडल और उसके दो साथी, अर्पिता सरकार और आदित्य सिंह, एसटीएफ की हिरासत में हैं। जैश-ए-मोहम्मद के अलावा, मंडल का पाकिस्तान स्थित आतंकवादी-अपराधिक समूह शहजाद भट्टी नेटवर्क से भी संपर्क था। वहीं, अर्पिता सरकार का इस्तेमाल प्रभावशाली व्यक्तियों को हनी-ट्रैप में फंसाने और बाद में ब्लैकमेल करने के लिए किया गया।

होर्मुज को लेकर ईरान ने किया खुलासा

एजेंसी ►► तेहरान

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ईरान, होर्मुज स्ट्रेट से होकर एक सिंगल टू-वे रूट बनाने के लिए ओमान के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि जहाज इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजर सकें। उन्होंने कहा कि यह अरेंजमेंट स्ट्रेट में शिपिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले कई अलग-अलग लेन की जगह लेगा। स्ट्रेट के दोनों तरफ के दो देशों के बीच बातचीत अलग-अलग उत्तरी और दक्षिणी रूट को एक सिंगल इंटरमीडिएट कॉरिडोर से बदलने पर फोकस रही है, जिसे दोनों कोस्टल देशों के हितों और सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। हालांकि, इस पूरे मामले को लेकर ओमान की तरफ से कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है।



हाईवे की तरह बनाने के लिए ओमान से कर रहे बातचीत

एजेंसी ►► तेहरान

ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध छठे महीने में प्रवेश कर रहा है, जिसके कारण ईरानी परिवार नकदी की बढ़ती जरूरत के चलते हताश हो रहे हैं। लोग पैसे कमाने के लिए बाल, इत्र की बोलियाँ और पुराना सामान बेच रहे हैं, जबकि व्यक्तिगत सामान किराए पर भी दे रहे हैं। युद्ध के बीच सर्वाइवल इकोनॉमी के उमरने की सूचना दी है। परिवार बेकार लगने वाली चीजों को भी पैसे में बदल रहे हैं। बाल बेचे जा रहे हैं, इत्र की इस्तेमाल की गई बोलियों को ऑनलाइन लिस्ट किया जा रहा है, पुराने कपड़े और काम करने वाले जूतों के खरीदार ढूँढे जा रहे हैं। वहीं, लैपटॉप भी अल्पकालिक उपयोग के लिए किराए पर दिए जा रहे हैं। बदती कीमतों से जूझ रहे परिवारों के लिए, हर अतिरिक्त रियाल मायने रखता है।

ईरान की जनता रोटी के लिए बेचन रही बाल और कपड़े

ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध छठे महीने में प्रवेश कर रहा है, जिसके कारण ईरानी परिवार नकदी की बढ़ती जरूरत के चलते हताश हो रहे हैं। लोग पैसे कमाने के लिए बाल, इत्र की बोलियाँ और पुराना सामान बेच रहे हैं, जबकि व्यक्तिगत सामान किराए पर भी दे रहे हैं। युद्ध के बीच सर्वाइवल इकोनॉमी के उमरने की सूचना दी है। परिवार बेकार लगने वाली चीजों को भी पैसे में बदल रहे हैं। बाल बेचे जा रहे हैं, इत्र की इस्तेमाल की गई बोलियों को ऑनलाइन लिस्ट किया जा रहा है, पुराने कपड़े और काम करने वाले जूतों के खरीदार ढूँढे जा रहे हैं। वहीं, लैपटॉप भी अल्पकालिक उपयोग के लिए किराए पर दिए जा रहे हैं। बदती कीमतों से जूझ रहे परिवारों के लिए, हर अतिरिक्त रियाल मायने रखता है।

डीवीएसी की तमिलनाडु में बड़ी कार्रवाई भ्रष्टाचार मामलों में 24 अधिकारी अरेस्ट बेहिसाब नकदी और लेनदेन का खुलासा

एजेंसी ►► चेन्नई

सतकला और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय (डीवीएसी) ने जुलाई माह में पूरे राज्य में चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान 24 सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 1.3 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाबी नकदी और संदिग्ध डिजिटल लेन-देन का खुलासा हुआ। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी ने एक जुलाई से 31 जुलाई के बीच सरकारी कामकाज करने के एवज में 500 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की रिश्तत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में अधिकारियों को रोरे हाथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए कर्मचारियों में हिंदू धार्मिक और धर्मांध बंदोबस्ती विभाग के एक संयुक्त आयुक्त, एक तहसीलदार, एक सहायक अभियंता (विद्युत), एक



ग्राम प्रशासनिक अधिकारी (वीएओ) और पुलिस, राजस्व व स्थानीय प्रशासन विभागों के विभिन्न अधिकारी शामिल हैं। न्यायिक मोर्चे पर, विशेष अदालतों ने जुलाई के दौरान भ्रष्टाचार के चार मामलों में पांच व्यक्तियों को दोषी ठहराया। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के मामलों के लिए गठित विशेष अदालतों के साथ-साथ तिरुवल्लूर और रानीपेट की सत्र अदालतों ने एक तहसीलदार, तहसीलदार के चालक, एक प्रधानाध्यापिका और एक पुलिस उप-निरीक्षक को दो से चार साल तक के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

पाक फैला रहा आतंकवाद

अमेरिकी कांग्रेस रिसर्च सर्विस (सीआरएस) सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों ने भी अपनी धरती पर आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की है। इन सबके बावजूद, पाकिस्तान आतंकवादियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा है।

भारत ने खारिज किए आरोप

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि कर दी है। एजेंसियों ने इस बात की तस्दीक की है कि वीडियो में दिख रहा शख्स लश्कर का वरिष्ठ आतंकी है, जिसकी भारत को तलाश है। हालांकि, भारत सरकार ने इन मनगढ़ंत आरोपों को खिसे से खारिज कर दिया है। वहीं, भारत ने पाकिस्तान द्वारा लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों को अपनी धरती पर पनाह देने को लेकर कड़ी आलोचना की है। हाल ही में जून में एक अन्य वायरल वीडियो में लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद का बेटा तलहा सईद इस्लामाबाद में एक जनजा में शामिल होता नजर आया था, जिसने भारत के उन दावों को और पुष्टा कर दिया कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है।

ओएमआर में दिए उत्तर हमारे नहीं, 6 छात्रों का चौंकाने वाला दावा

एजेंसी ► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने नीट के छह छात्रों की उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति जताई है, जिसमें ओएमआर शीट में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। नीट यूजी परीक्षा देने वाले छह छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर बताया कि उन्होंने अपनी ओएमआर आंसरशीट में जो उत्तर भरे थे, वे बदल गए हैं। ये वे उत्तर नहीं जो उन्होंने मार्क किए थे। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने परीक्षा के दौरान ओएमआर शीट में जो उत्तर भरे थे, वे अब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से दिखाई जा रही ओएमआर कॉपी से अलग हैं। छात्रों के वकील ने सीजेआई सूर्य कांत की पीठ को बताया कि सभी छह अभ्यर्थियों के 600 से 650 से अधिक अंक हैं और उन्होंने कई ईमेल भेजने के साथ-साथ एनटीए कार्यालय जाकर भी शिकायत की। लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई करने के लिए जताई सहमति

एनटीए से कई बार की गई शिकायत लेकिन नहीं मिली राहत

जल्द होगी सुनवाई

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने पूछा कि जब ओएमआर शीट आपत्तियों के लिए अपलोड की गई थी, तब क्या छात्रों ने कोई आपत्ति दर्ज कराई थी। इस पर वकील ने जवाब दिया कि उस समय ओएमआर शीट में कोई विसंगति नहीं थी और बाद में एनटीए की ओर से दिखाई गई ओएमआर कॉपी में अंतर सामने आया। सभी पक्षों की प्रारंभिक दलीलें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। बता दें कि इसी तरह का एक मामला बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ में भी आया था। कुछ छात्रों ने आरोप लगाया था कि ओएमआर शीट में गड़बड़ी हुई है। कोर्ट ने छात्र का दावा पूरी तरह से गलत साबित हुआ था।

पहले नहीं थी विसंगति



हो चुका है पेपर लीक

बता दें कि 3 मई को आयोजित हुई नीट यूजी की परीक्षा पेपर लीक के बाद रद्द कर दी गई थी। इसके बाद एजेंसी ने 21 जून को दोबारा से पेपर का आयोजन किया था। हालांकि, इसका रिजल्ट जारी होने के बाद भी कई तरह के विवाद सामने आ रहे थे, जिसे एनटीए ने गलत साबित किया था।

12 सदस्यीय कमेटी का गठन

नीट पीजी 2025-26 काउंसिलिंग के लिए क्वालिफाइंग परसेंटाइल कम करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या माटी ने कोर्ट को बताया कि उसके निर्देश के बाद सरकार ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए 12 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। सरकार ने कोर्ट को बताया कि यह कमेटी नीट पीजी में क्वालिफाइंग परसेंटाइल घटाने से जुड़े सभी पहलुओं की समीक्षा करेगी। कमेटी में संबंधित पक्षों की राय को शामिल किया जाएगा ताकि इस मामले पर व्यापक विचार किया जा सके।

कौन-कौन हैं शामिल ?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कमेटी को इस मुद्दे पर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव लेने चाहिए। इसमें केंद्र सरकार, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज, मेडिकल संस्थानों और अन्य हितधारकों की राय शामिल होगी। कोर्ट ने निर्देश दिया कि कमेटी सभी सुझावों और पहलुओं पर विस्तार से विचार करने के बाद अपनी रिपोर्ट तैयार करे। कमेटी को अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में 8 हफ्तों के भीतर सौंपनी होगी।

खबर संक्षेप

माफ करने वाले मोदी कौन होते हैं : राहुल

नई दिल्ली। वाइको इन पार्लियामेंट किताब के लॉन्च के दौरान



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं उन्हें माफ करता हूं। मुझे नहीं पता कि वे उन्हें माफ करने वाले कौन होते हैं।' राहुल ने कहा कि हम अपने देश में एक अजीब समय से गुजर रहे हैं। छात्र सड़कों पर हैं, बहुत दर्द में हैं। वे परीक्षाओं में निष्पक्षता और ऐसी शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, जो काम करे। दूसरी तरफ हमारे प्रधानमंत्री हैं, जो उन्हें माफ कर रहे हैं।

महाराष्ट्र : स्कूलों में पढ़ाया जाएगा नशामुक्ति का पाठ

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्कूल शिक्षा विभाग



की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को स्कूल पाठ्यक्रम में नशामुक्ति (ड्रग डी-एडिक्शन) से जुड़े पाठ शामिल करने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार स्कूलों में एंटी-ड्रग गाइडेंस और काउंसिलिंग कर्मियों बनाएगी और 'ड्रग-फ्री स्कूल' अभियान भी चलाएगी। मुख्यमंत्री ने छात्रों को साइबर फ्रॉड और नशे की लत से बचाने के लिए स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहा।

लू लगने से 5 माह में देश में 20 की मौत

नयी दिल्ली। सरकार की ओर से मंगलवार को लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस साल एक मार्च से अब तक देश भर में लू लगने से 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4,853 मामले सामने आए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लू लगने से सबसे अधिक संख्या में लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई, जबकि लू लगने के सर्वाधिक मामले तेलंगाना में सामने आए। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा को बताया कि तेलंगाना में लू (हीटस्ट्रोक) के सबसे अधिक 915 मामले सामने आए, इसके बाद पश्चिम बंगाल (733), छत्तीसगढ़ (660), आंध्र प्रदेश (540) और झारखंड (409) का स्थान रहा।

तमिलनाडु में बड़ा सियासी बवाल

तमिलनाडु में बड़ा सियासी बवाल छिड़ गया है। एक्ट्रेस तृषा कृष्णन पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में चेन्नई पुलिस ने पूर्व डिप्टी सीएम और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार कर लिया। तमिलनाडु पुलिस उन्हें घर से उठाकर ले गई। हाईकोर्ट के दखल से 4 घंटे बाद उनकी रिहाई हो सकी।

एजेंसी ► चेन्नई

तंजावुर में कावेरी नदी के पानी को लेकर चल रहे डीएमके के एक विरोध-प्रदर्शन के दौरान स्टालिन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की 'करीबी दोस्त' तृणा पर डबल मीनिंग टिप्पणी की थी। इस बयानबाजी के बाद सीएम विजय की पार्टी टीवीके द्वारा पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके बाद उदयनिधि को मंगलवार को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। उदय की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे डीएमके कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। उदयनिधि के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का विरोध करने के लिए बड़ी संख्या में द्रविड़ मुनेत्र कणम (डीएमके) कार्यकर्ताओं के उनके नीलाकई स्थित आवास के बाहर जुटने से सुबह अफरातफरी की स्थिति बन गई। उदयनिधि की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनकी गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए पूरे राज्य में जबरदस्त प्रदर्शन शुरू कर दिया और 'सड़कों को जाम' कर दिया।



हाईकोर्ट के आदेश के बाद रिहा किया गया नेता प्रतिपक्ष को

एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले ने पकड़ा तूल

4 घंटे बाद हुई रिहाई

गिरफ्तारी के बाद द्रमुक ने मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया और अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने रिमांड पर न लेने और पूछताछ के बाद रिहा करने का निर्देश दिया। इसके बाद उदयनिधि की गिरफ्तारी के करीबन 4 घंटे बाद रिहाई हुई।

यह है विवाद

कावेरी विवाद को लेकर तंजावुर में आयोजित एक विरोध रसम को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि तमिलनाडु को कावेरी का एक बूढ़ा पानी भी नहीं मिला, जबकि मुख्यमंत्री इस मामले को लेकर बेपरवाह बने रहे। यह रैली तब विवादों में धिर गई जब भीड़ में से किसी ने 'त्रिशा, त्रिशा' विल्लाना शुरू कर दिया। उदयनिधि ने अपना भाषण रोककर ऐसी टिप्पणी की जिसे कई लोगों ने अपमानजनक और दोहरे अर्थ वाली बात मानी, जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने इस भद्दी टिप्पणी के लिए उदय निधि स्टालिन की गिरफ्तारी की मांग की। सत्तारूढ़ टीवीके के नेता भी उदय निधि की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

सलमान करेगे शो की मेजबानी

‘बिग बॉस’ का आया पहला ‘टीजर’, सितंबर से आगाज

एजेंसी ► मुंबई

रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 20वें सीजन का पहला 'टीजर' मंगलवार को जारी किया गया। जियोहॉटस्टार और कलर्स चैनल ने मंगलवार को 'टीजर' जारी किया। शो की मेजबानी एक बार फिर अभिनेता सलमान खान करेंगे। इसका प्रसारण छह सितंबर से शुरू होगा। 'टीजर' में सलमान खान घोड़े पर सवार होकर 'ट्रेंटी' करते हैं और कहते हैं, 'जो करण अर्जुन में हुआ था, वो होगा अब बिग बॉस में... तथास्तु! निर्माताओं के अनुसार, यह संवाद नए सीजन के रहस्य की ओर इशारा करता है। सलमान खान ने एक बयान में कहा कि हर सीजन में नया खेल, नए समीकरण और अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिलते हैं, लेकिन इस बार शो के केंद्र में ऐसा रहस्य है, जो इसे अब तक के सभी सीजन से अलग बनाता है। अभिनेता ने कहा, टीजर तो बस शुरुआत है और मैं यह देखने के लिए बेताब हूँ कि जब 'बिग बॉस' हिंदी का 20वां सीजन शुरू होगा, तो दर्शक कैसे सुरागों को जोड़कर इन चीजों को समझेंगे।

‘करण-अर्जुन’ का जिक्र, शाहरुख के आने की अटकलें

प्रोजे में सलमान खान एक घोड़े के साथ चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो के अंत में वे कहते हैं, 'जो करण-अर्जुन में हुआ था, वह अब बिग बॉस में दोबारा होगा... तथास्तु! सलमान के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वैंड प्रीमियर पर शाहरुख खान भी सलमान के साथ नजर आ सकते हैं।

पंजाब में भंडाफोड़ आईएसआई का आतंकी माँड्यूल, 9 गिरफ्तार

एजेंसी ► चंडीगढ़

पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित एवं सीमापार से संचालित दो आतंकी माँड्यूल का भंडाफोड़ किया है और चार नाबालिगों सहित नौ आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, 'एक बड़ी कामयाबी में, अमृतसर आयुक्तालय पुलिस ने आईएसआई समर्थित एवं सीमा-पार से संचालित दो आतंकी माँड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने नौ आरोपियों को पकड़ा है, जिनमें चार नाबालिग शामिल हैं, और उनके पास से तीन पिस्तौल, चार पेट्रोल बोटल बम और 9 कारतूस बरामद किए हैं।' उन्होंने बताया कि शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी विदेश में बैठे आईएसआई के आकाओं के निर्देश पर काम कर रहे थे।



अंतरिम महासचिव ने की रिकॉर्ड की समीक्षा

एजेंसी ► अयोध्या

अयोध्या स्थित राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव ने यहां एक बैंक लॉकर में रखे करोड़ों रुपये के सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं के साथ-साथ उनसे जुड़े रिकॉर्ड की समीक्षा की। सूत्रों के अनुसार अंतिम महासचिव कृष्ण मोहन सोमवार की शाम अयोध्या में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा गए और दैरा रात तक वहां रहे। उन्होंने बताया कि इस दौरान कीमती सामान की सूची तैयार की गई और बैंक लॉकर में जमा सोने, चांदी और अन्य कीमती धातुओं की तस्वीरें ली गईं। सूत्रों ने बताया कि कृष्ण मोहन पिछले तीन दिनों से ट्रस्ट के खाता-बही और अन्य रिकॉर्ड की जांच-पड़ताल में लगे हुए थे, जिसके बाद कोष और कीमती धातुओं की अंतिम सूची तैयार की गयी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले के बाद उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर बनाई गई नयी विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) के मंगलवार को अपना काम फिर से शुरू करने की उम्मीद है।

बैंक लॉकर में रखे राममंदिर के सोने-चांदी का रिकॉर्ड देखा



एसआईटी ने सोपी सी रिपोर्ट

एसआईटी ने 23 जून को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी, जिसके बाद, 25 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई और आठ आरोपियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष शीवावत और रामशंकर यादव उर्फ टिट्ठू यादव को गिरफ्तार किया गया।

व्यवस्थाओं पर कही यह बात

कृष्ण मोहन ने बैंक के अपने दौरे के बारे में मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि राम मंदिर में व्यवस्थाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, आप आए, दर्शन करें और खुद देखें... अगर कोई कमी हो, तो हमें बताए। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला जून के पहले सप्ताह में सामने आया था जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एक विशेष अन्वेषण टीम (एसआईटी) को गठन किया और शुरू में जांच के लिए 15 दिन का समय दिया।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

एसएसआई ने दो जवानों की हत्या के बाद की खुदकुशी

एजेंसी नगवा। असम के नगंव जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक अधिकारी ने अपने दो सहियों की गोली मारकर हत्या और एक अन्य को घायल करने के बाद आत्महत्या कर ली। नगवा की पुलिस उपडीएस (कुशाग्र) परमिता सरकार ने बताया कि यह घटना कलिंग में 34 बटालियन शिदर में खुदब करीब सात बजे हुई, जब मेन गेट पर घुड़ों पर सवार सहक उपडीएसक बल्लानी प्रेमबरम ने अपने सहियों पर गोली चला दी। गोलीबारी में उस नरेश सिंह यादव और विष्णु प्रसाद बरोदा की मौत हो गई। घटना के बाद सहक उपडीएसक ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान एसआई रामनवल सिंह यादव, हेड कॉन्स्टेबल विष्णु प्रसाद बरोदा और कनिष्ठ गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान एसआई रामनवल सिंह यादव, हेड कॉन्स्टेबल विष्णु प्रसाद बरोदा और कनिष्ठ गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गईं। सुझा एजेंसियों ने पूरे प्रशासन की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। जांच में फायरिंग की परिस्थितियों, घटकमूल के कम और आरोपों के मकसद का पता लगाया जा रहा है।

ट्राई ने लॉन्च किया माई कॉल ऐप का नया और अपग्रेडेड वर्जन

अब हर कॉल ड्रॉप की शिकायत करेगा आपका फोन!

मोबाइल यूजर्स से सीधे फीडबैक लेकर टेलीकॉम कंपनियों को मिलेगी जानकारी

एजेंसी ► नई दिल्ली

भारत में मोबाइल कॉल ड्रॉप और खराब कॉल क्वालिटी की शिकायतें लंबे वक़्त से आम रही हैं। अब इन दिक्कतों को दूर करने की दिशा में भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपने माई कॉल ऐप का नया और अपग्रेडेड वर्जन लॉन्च किया है। इस ऐप का मकसद मोबाइल यूजर्स से सीधे फीडबैक लेकर टेलीकॉम कंपनियों को नेटवर्क की कमियों की जानकारी देना है, जिससे कॉलिंग अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। ट्राई के मुताबिक, माई कॉल ऐप को पहली बार 2018 के बाद बड़े लेवल पर अपडेट किया गया है। नया वर्जन यूजर्स को हर वॉयस कॉल के बाद उसकी क्वालिटी को रेट करने का विकल्प देता है। अगर कॉल ड्रॉप हो जाती है, आवाज साफ नहीं आती या कॉल कनेक्ट होने में दिक्कत होती है, तो यूजर इसकी जानकारी सीधे ऐप के जरिए शेयर कर सकते हैं।



ऐसे काम करेगा नया ऐप

ऐप एंड्रॉइड स्मार्टफोन पर काम करता है। कॉल खत्म होने के बाद यह यूजर से पूछता है कि कॉल का एक्सपीरियंस कैसा रहा। यूजर 1 से 5 स्टार की रेटिंग दे सकते हैं और चाहें तो कॉल ड्रॉप, खराब ऑडियो, नेटवर्क समस्या जैसी दिक्कतों की रिपोर्ट भी भेज सकते हैं। ऐप कॉल से जुड़े कुछ तकनीकी नेटवर्क पैरामीटर भी कलेक्ट करता है, जिससे समस्या की सही पहचान करने में मदद मिलती है। जितने ज्यादा लोग इस ऐप का इस्तेमाल करेंगे, उतना ही सटीक डेटा ट्राई और टेलीकॉम कंपनियों को मिलेगा, जिससे भविष्य में कॉल क्वालिटी बेहतर होने की उम्मीद है।

टेलीकॉम कंपनियों को मिलेगा फायदा

ट्राई का कहना है कि ऐप से मिलने वाला डेटा टेलीकॉम ऑपरेटरों को यह समझने में मदद करेगा कि किन इलाकों में नेटवर्क कमजोर है या किन परिस्थितियों में कॉल क्वालिटी प्रभावित हो रही है। इससे कंपनियां अपने नेटवर्क में सुधार कर सकेंगी और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने में सक्षम होंगी। यानी नया ऐप सिर्फ यूजर्स ही नहीं, बल्कि कंपनियों के लिए भी स्थितियां बेहतर करने में मददगार साबित हो सकता है। हालांकि, ट्राई ने साफ किया है कि ऐप के जरिए मिलने वाले डेटा का इस्तेमाल टेलीकॉम कंपनियों पर सीधे किसी तरह की कार्रवाई के लिए नहीं किया जाएगा। इसका मुख्य मकसद नेटवर्क की असली स्थिति को समझना और कॉल की क्वालिटी में सुधार करना है।

मुंबई एयरपोर्ट की घटना

प्लेन के टॉयलेट में बीड़ी पीने पर केरल का यात्री गिरफ्तार

एजेंसी ► मुंबई

सऊदी अरब के दम्पाम से मुंबई आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान में टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने केरल के एक यात्री को महंगा पड़ गया। विमान के मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही सहाय पुलिस से उसने गिरफ्तार कर लिया। विमान में कई जगह 'नो स्मोकिंग' के बोर्ड लगे होने और उड़ान से पहले बार-बार धूम्रपान पर रोक की घोषणा किए जाने के बावजूद उसने नियमों की अनदेखी की। गिरफ्तार यात्री की पहचान केरल के अलापुझा



निवासी 34 वर्षीय नीरू बाहुलेयन के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सहाय पुलिस के अनुसार, घटना एयर इंडिया की उड़ान एआई-4250 में हुई, जो दम्पाम से मुंबई आई थी। उड़ान भरने के कुछ समय बाद सीट 2एफ पर बैठे बाहुलेयन विमान के टॉयलेट में गया। उसके बाहर निकलते ही कैबिन क्रू ने टॉयलेट से धुआं निकलता देखा। पूछताछ करने पर यात्री ने टॉयलेट में बीड़ी पीने की बात स्वीकार कर ली।

खबर संक्षेप

एलजी ने लांच की प्रीमियम एआई टीवी रेंज

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने अपनी 2026 एआई टीवी लाइनअप पेश करते हुए भारतीय



बाजार में प्रीमियम टेलीविजन पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। नई रेंज में अल्ट्रा-लार्ज स्क्रीन और अत्याधुनिक मिनी एलईडी तकनीक पर विशेष जोर दिया गया है। कंपनी ने 292 सेमी (115-इंच) का फ्लैगशिप क्यूनेड इवो मिनी एलईडी टीवी भी लॉन्च किया है।

बोल्ट 25 को लांच करेगा इवो व एस 5जी स्मार्टफोन

नई दिल्ली। बोल्ट (फायर-बोल्ट) अपना पहला स्मार्टफोन ब्रांड भारत में 25 अगस्त 2026 को दोपहर



12:00 बजे लांच करने जा रहा है। कंपनी अपनी इस नई श्रृंखला के तहत बोल्ट इवो 4जी और बोल्ट एस 5जी मॉडल बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। रिपोटर्स के मुताबिक शुरुआती कीमत 20,000 रुपए से कम हो सकती है और सभी फोंस की मैयूफैक्चरिंग भारत में ही की जाएगी।

पोको ने लांच किया पोको एम8 पावर

बेंगलुरु। पोको ने भारत में 8000 एमएच बेटरी, स्नेपड्रैगन 4 जेंन 4 चिपसेट और 6.9 इंच एमोलेड डिस्प्ले के साथ पोको



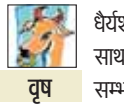
एम8 पावर 5जी लांच कर दिया है, जिसकी शुरुआती कीमत 24,999 रुपए है। यह फोन फिलपकार्ट पर 7 अगस्त 2026 से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इसमें 45वाट फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। साथ ही 22.5 वाट वायर्ड रिवर्स चार्जिंग की सुविधा इसे परिवार बैंक की तरह इस्तेमाल करने की भी अनुमति देती है। लांच ऑफर के तहत पहले 12 घंटे में 1,000 रुपए का कूपन डिस्काउंट और 2,000 रुपए तक का इस्टैंट बैंक डिस्काउंट या एक्सचेंज बोनस मिलेगा।

धोनी ने किया ट्रेलहाउंड एसटीआर का अनावरण

चेन्नई। टीवीएस श्रीचक्र लिमिटेड के प्रमुख 2 और 3-व्हीलर टायर ब्रांड यूरोगिप टायर्स ने भारत में अपनी नई इंटरनेशनल एडवेंचर टूरिंग टायर रेंज ट्रेलहाउंड एसटीआर लांच कर दी है। इस नई प्रोडक्ट लाइन का शुभारंभ कंपनी के ब्रांड एंबेसडर और क्रिकेट दिग्गज एमएस धोनी ने किया। ये टायर हाईवे राइडिंग के साथ बेहतर ग्रिप देने में सक्षम हैं।

राशिफल

आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।



धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।



मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।



आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।



नौकरी के लिए साक्षात्कारदि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।



शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।



जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सामिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत की रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस ‘जड़ी-बूटी दिवस’ के रूप में मनाया गया

हरिभूमि न्यूज >>> हरिद्वार

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री और पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 के योगभवन सभागार में ‘जड़ी-बूटी दिवस’ के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, औषधि वितरण और विभिन्न आयुर्वेदिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने आचार्य बालकृष्ण को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक जीवन पद्धति को विश्व स्तर पर चिकित्सा प्रणाली के रूप में स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयुर्वेद में किए जा रहे



जन्मदिवस की बधाई देते हुए

1500 रोगियों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और बड़े स्तर पर निःशुल्क औषधीय वितरण

12 आयुर्वेदिक औषधियों का लोकार्पण

पतंजलि अनुसंधान संस्थान के डूडा डिस्कवरी डिविजन द्वारा विकसित 12 साक्ष्य आधारित आयुर्वेदिक औषधियों का लोकार्पण किया गया। इनमें होमीओपैथ वाइटल सिरप, रीमोडिड सिरप, लिचोडिड सिरप, टमीडिड टीमी रोल-ऑन, स्वर्ण ओज प्राशन ड्रॉप, लिपिडोम एडवांस टैबलेट, पीडानिल रोल-ऑन, एलोडिड पाउडर, आर्डीडिड एडवांस आई ड्रॉप, इंडजिट किट, टायफोडिड

अवलेह और आयु-प्राइम कैप्सूल शामिल हैं। जड़ी-बूटी दिवस के अवसर पर आचार्य बालकृष्ण द्वारा लिखित 40 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इनमें ‘वर्ल्ड बॉटैनिकल डिक्शनरी’, ‘इन्साइक्लोपीडिया ऑफ हर्बल रेमेडीज’, ‘इन्साइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन हर्ब्स’ और वैज्ञानिक अनुसंधानों पर पुस्तक विज्ञान की नजर से प्राचीन ज्ञान प्रमाण प्रतीक्षा शामिल हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधानों का उल्लेख किया। रामदेव ने कहा कि पतंजलि ने आयुर्वेदिक औषधियों और जड़ी-बूटियों पर वैज्ञानिक शोध, परीक्षण और अनुसंधान के माध्यम से साक्ष्य आधारित कार्य को आगे बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि संस्था ने जड़ी-बूटियों के फिंगरप्रिंट

10 किलो पारदर्शी एलपीजी सिलेंडर गैस एजेंसियों पर उपलब्ध नहीं सिर्फ बेंगलुरु में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्वर्गी इंस्टामार्ट पर, इंदौर-भोपाल में नहीं हुई शुरुआत



वाणिज्य प्रतिनिधि >>> भोपाल

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने स्वर्गी इंस्टामार्ट के साथ साझेदारी कर छोटे परिवारों, छात्रों और युवाओं को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सुविधा उपलब्ध कराई है। उक्त गैस कंपनियों 10 किलो के हल्के और पारदर्शी (कंपोजिट) एलपीजी सिलेंडर को क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्वर्गी इंस्टामार्ट के जरिए ऑर्डर पर उपलब्ध करा रही हैं। हालांकि यह सुविधा फिलहाल मध्यप्रदेश के साथ पूरे देशभर में लागू नहीं हुई है और अभी केवल बेंगलुरु शहर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई है।

त्योहारों से पहले महंगाई का लगा झटका

शगुन के 51 रुपए के किलो पहुंची शक्कर चावल -दाल, आटा-मैदा ने बिगाड़ा बजट

अब जरूरी सामान खरीदने के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा



किराना बाजार में बढ़ती कीमतों के चलते आम परिवारों को अब जरूरी सामान खरीदने के लिए अधिक खर्च करना पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि यदि मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन नहीं बना तो आने वाले दिनों में खाद्य वस्तुओं के दामों में और बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों के चलते शक्कर की मांग बढ़ने की संभावना है, जिससे कीमतों पर दबाव और बढ़ सकता है। विवेक साहू के अनुसार शक्कर के भाव बढ़ने के पीछे कमजोर और असमान मानसून, एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति, सीमित स्टॉक और त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली मांग प्रमुख कारण हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई का असर केवल शक्कर तक सीमित नहीं है, बल्कि चावल, आटा और मैदा के भाव भी लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शक्कर, चावल, आटा और मैदा जैसी वस्तुएं हर घर की रोजमर्रा की जरूरत हैं। इनके दामों में बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की रसोई पर पड़ता है। सरकार को

खाद्य वस्तुओं की कीमतों और उपलब्धता की लगातार निगरानी करनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। शक्कर ब्रोकर रमाकांत तिवारी और थोक विक्रेता लकी थरानी ने बताया कि बाजार में शक्कर की उपलब्धता और स्टॉक की स्थिति के कारण भाव मजबूत बने हुए हैं। आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने पर कीमतों में और तेजी की संभावना बनी हुई है। वहीं फुटकर विक्रेता मनीष कुंजरेजा ने बताया कि बढ़े हुए दामों का सीधा असर ग्राहकों की जब कि दिखाई दे रहा है। शक्कर के साथ अन्य आवश्यक खाद्य वस्तुओं के महंगे होने से उपभोक्ताओं का घरेलू खर्च बढ़ रहा है।

मारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एसरी ने किया समझौता

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय के अधीन नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) एवं लोकेशन इंटेलिजेंस क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एसरी इंडिया ने भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां जीआईएस, लोकेशन इंटेलिजेंस और जियोएआई आधारित रक्षा परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर मिलकर काम करेंगी। बीईएल का रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और सिस्टम इंटीग्रेशन में विशेषज्ञता तथा एसरी इंडिया की जियोस्पेशियल तकनीकों को एक साथ लाकर आधुनिक रक्षा समाधान विकसित किए जाएंगे। समझौते के अनुसार दोनों संस्थाएं भारतीय रक्षा सेवाओं की परिचालन आवश्यकताओं के अनुरूप जीआईएस समाधान समय पर उपलब्ध कराने और उनकी तैनाती सुनिश्चित करने के लिए सहयोग करेंगी।

सिंगर कुंवर का नया पॉप ट्रैक 'क्रेजी 4 यू रिलीज'

इंदौर। भारतीय-कनाडाई सिंगर और सॉनराइटर कुंवर ने अपना नया पॉप ट्रैक 'क्रेजी 4 यू रिलीज' कर दिया है। यह हाई-एनर्जी गीत प्यार में डूबे उस एहसास को बर्णन करता है, जब किसी की यादें हर पल दिल और दिमाग पर छाई रहती हैं। मॉडर्न पॉप प्रोडक्शन और कुंवर की खास गायकी से सजा यह गाना युवा प्रेम, उत्साह और रोमांच को दर्शाता है। शानदार बीट्स और आकर्षक हुक वाला यह ट्रैक लेट-नाइट ड्राइव, प्लेलिस्ट और डांस फ्लोर के लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि 'क्रेजी 4 यू' उसी भावना से प्रेरित है और इसका उद्देश्य प्यार के रोमांच को संगीत के माध्यम से महसूस कराना है।

एयरटेल के शुद्ध लाभ में 37.3 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का शुद्ध लाभ चालू वित वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 37.3 प्रतिशत बढ़कर 8,167 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से आमदनी बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। एक साल पहले 2025-26 की इसी तिमाही में कंपनी का लाभ 5,948 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि जून तिमाही में उसका परिचालन राजस्व 18.3 प्रतिशत बढ़कर 58,539 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 49,462 करोड़ रुपये था। बढान के अनुसार, "कंपनी का एकीकृत राजस्व सालाना आधार पर जून तिमाही में 18.4 प्रतिशत बढ़कर 58,539 करोड़ रुपये रहा।

पश्चिम मध्य रेल

जबलपुर मंडल ■ वाणिज्य विभाग

e-auction for Premium Brand Catering Outlets

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निविदा रिट-बोली आमंत्रित करता है।

कार्य का प्रकार: प्रीमियम ब्रांड कैटरिंग आउटलेट

कैटलॉग क्र.: JBP-C-PBCO-26-1 ■ स्टेशन : जबलपुर

लॉट क्र.: MSS-JBP-JBP-PS-137-26-2. **आव्हान प्रारंभ:** 10.08.2026, 10:00 Hrs. **लॉट क्र.:** MSS-JBP-JBP-PS-138-26-2. **आव्हान समाप्ति:** 10.08.2026, 10:30 Hrs. **लॉट क्र.:** MSS-JBP-JBP-PS-139-26-2. **आव्हान प्रारंभ:** 10.08.2026, 10:00 Hrs. **लॉट क्र.:** MSS-JBP-JBP-PS-140-26-2. **आव्हान समाप्ति:** 10.08.2026, 10:30 Hrs. **लॉट क्र.:** MSS-JBP-JBP-PS-141-26-2. **आव्हान प्रारंभ:** 10.08.2026, 10:00 Hrs. **आव्हान समाप्ति:** 10.08.2026, 11:00 Hrs.

संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर **E-Auction Leasing** मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण चरपुक्क कैटलॉग के तहत उपलब्ध है। ई-बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर को नोटिफ बाईड पर भी उपलब्ध है।

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

छोटा लिंग निराश क्यों?

जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स दायम 30 से 45 मिनट बढाये। वरों की कमजोरी बामदी, धातु का पतलापन, शुभर, वी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में छपाईगत सभी प्रकार के विज्ञापनों (इन्स्टॉल एवं रनिंग बलामीकईड में दिर गए तथ्यों के बारे में अपने विविड सं निर्णय सं। हरिभूमि समूह की विज्ञापनी के तथ्यों से संबंधित कोई विमर्शदारी नहीं होगी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे सम्बन्धित परिवार का नाम **सुरीश उर्फ योगेश पुत्र: देवेन्द्र सिंह, पता: गांव चंडेला, थाना: जयसिंह नगर, जिला: शाहडोल, मध्य प्रदेश, ने FIR No. 121/2026 U/s 2025/129 NDPS ACT AND 345(3) BNS** थाना: आर.के. पुरम, नई दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरीश उर्फ योगेश** मिल नहीं रहा है और मुझे सामानाग्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **सुरीश उर्फ योगेश** फरार हो गय है(या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 121/2026 U/s 2025/129 NDPS ACT AND 345(3) BNS** थाना: आर.के. पुरम, नई दिल्ली, के उक्त अभियुक्त **सुरीश उर्फ योगेश** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्बन्ध) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार श्री जितेंद्र प्रताप सिंह एएसजे (विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट) कम्तर नंबर 35, पी विल्डिंग पटियाला हाउस कोर्ट्स, नई दिल्ली

DP/10334/SW/2026 (Court Matter)

OFFICE OF THE SECRETARY KRISHI UPJ MANDI SAMITI JABALPUR DIST. JABALPUR

N.I.T. No/Nirman/ 2026-27 /N-326 JABALPUR dated: 04.08.2026

NOTICE INVITING TENDER

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for 1. Repairing work and colour washing for existing canteen, office 03 nos room and Laying of pipe line in sabji mandi and chawal mandi yard in mandi yard jabalpur Tender Number: 2026. MPSAM. 525261.1 (PAC 12.19 LACS), 2. CONSTRUCTION AND MAINTANANCE OF PULIYA ALLU PYAZ, CANTEN NO 03 AND SULABI COMPLEX FRONT IN MANDI YARD JABALPUR Tender Number: 2026. MPSAM. 525262.1 (PAC- 16.28 LACS), 3. Repairing and colour washing for existing other structures farmer rest house, pump house e name generator room, check post, toul kanta room, atm room and garden area at mandi yard Jabalpur Tender Number: 2026. MPSAM. 525258. 1 (TOTAL PAC- 11.39 LACS) AND 4. Repairing maintenance and colour washing for existings sulabh complex 01 and 02 at mandi yard Jabalpur Tender Number: 2026. MPSAM. 526938. 1 (TOTAL PAC- 16.80 LACS). The following works Tender to be received online up to 3:30 PM on 26.08.2026. Technical bid, documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the <https://mptenders.gov.in> as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website www.mpmmandiboard.gov.in. Note:- Any corrigendum in this NIT, if published, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Development works and locations & key dates can also be seen on our website www.mpmmandiboard.gov.in

Secretary
Krishi Upaj mandi Samitti JABALPUR
Distt. JABALPUR

शब्द पहेली - 6308						
1	2	3	4	5	6	7
8			9		10	
		11		12	13	
14				15	16	17
			18		19	
20	21	22	23	24	25	
		26				
27	28			29		
	30	31	32			
33	34		35			36
37				38		

बाएँ से दाए

- पवनपुत्र, हनुमान-3,3
- मजार-4
- बगोचा (अंग्रेजी में-2)
- तहजीब, तमीज-3
- सत्य, तेज-2
- पत्नी-4
- ईसाई साध्वी-2
- इंकार करना-4
- उत्तम, आदर्शवादी-3
- रोमांच, उद्देश-4
- पागलपन, सनक-5
- पालन-पोषण-5
- आनंद लेना-2,2
- बेईमानी, अमानत में खयानत-3
- अप्रधान, गौण-4
- ठार-बाट-2
- अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
- रहस्य-2
- गरुड़ जो रावण से

लड़ा था-3

- कमरा, रूम-2
- जल में रहने वाला-4
- धर्म के उपदेश देनेवाला-6
- ऊपर से नीचे
- पलायन करने वाला-6
- जंगल-2
- दांत से छोटे टुकड़े करना-4
- जिन्हवा, जीभ-3
- भर, भवन-3
- यात्री गाड़ी-2
- जीबीस धंटे का समय-4
- परीक्षण करना-4
- भीगा हुआ-2
- खोजना-4
- उपस्थिति-3
- रोमांच, उद्देश-4
- संपत्ति-2
- उचित, सही-3
- पंख, पराया-2
- देश निर्वासन-4

25. अंगरक्षक-3,3

- हाथी-4
- मद, सरूर-2
- अनुसार, समान-4
- निगाह, दृष्टि-3
- हथियार-3
- पानी, नीर-2
- सिंगरेट का धुआं
- खींचना, सुझा-2

शब्द पहेली - 6307 का हल

उ	व	ख	र	नि	जि	स	त
क	ग	बु	ग	द	र	ही	न
क	ब	ा	ह	ह	ह	ह	ह
म	ह	नी	र	ब	ाल	क	माई
जो	र	ा	न	न	श	ख	
र	म	मी	य	त	भा	ही	न
न	म	न	ज	ल	ह	र	
अ	क	ल	श	ल	नी	र	य
य	न	न	प्र	ख	र	र	
र	ल	म	ह	या	स	मी	
ब	ख	क	न	ह	त	र	त

सूडोकू नवताल - 6318							***** सहयम						
9	6		3		4	8							
2					9	7							
4			1	6							2		
		8			2		3						
1		4				2	5						
	3		5			8							
7					9	5					3		
8		6					4						
6	2		7			5	1						
सूडोकू नवताल - 6317 का हल							***** सहयम						
3	6	5	1	8	2	7	4	9					
7	9	2	3	5	4	1	8	6					
4	1	8	6	7	9	5	3	2					</



10 साल बाद लीड हीरो बनकर लौटेंगे इमरान

मुंबई। अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने हा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी

हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे।

लाइफ Style

तृषा

लोगों ने किया है मर्यादा का उल्लंघन

एजेंसी ► नई दिल्ली

यह पहली बार नहीं है, जब तृषा पर निशाना साधा गया हो। इससे पहले भी उन पर तमाम लोगों ने मर्यादा का उल्लंघन कर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की हैं। साल 2023 में अभिनेता मंसूर अली खान ने फिल्म 'लिओ' की सफलता के बाद तृषा कृष्णन को लेकर एक आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस पर महिला आयोग ने भी मंसूर अली खान के खिलाफ एक्शन लिया था। दरअसल, तृषा और मंसूर अली खान ने लोकेश कनगराज की फिल्म 'लियो' में साथ काम किया था। हालांकि, फिल्म में दोनों ने स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया था। फिल्म के बाद मंसूर अली खान ने कहा था, 'जब मैंने सुना कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूँ, तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। लेकिन, इन लोगों ने कश्मीर शेड्यूल के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया भी नहीं।' इस टिप्पणी पर तृषा ने नाराजगी जाहिर करते हुए मंसूर के साथ कभी काम न करने की बात कही थी। इतना ही नहीं, फरवरी 2024 में तृषा कृष्णन पर एआईडीएमके के पूर्व नेता एवी राजू ने अभद्र टिप्पणी करते हुए एक आरोप लगाया था। राजनेता ने एक्ट्रेस की निजी जिंदगी पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।



हॉलीवुड मसाला

केविन ने की स्पाइडर-मैन 5

की घोषणा

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'स्पाइडर मैन बांड न्यू डे' ने वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की। इसके साथ ही मार्वल स्टूडियोज ने स्पाइडी के दीवानों को एक नई खुशखबरी दी है। मार्वल स्टूडियोज के निर्देशक केविन फीगे ने ऑफिशियल तौर पर 'स्पाइडर मैन 5' की घोषणा की है। इसके साथ ही निर्माता एमी पार्स्कल ने यह भी उम्मीद जताई है कि इस सीजन में भी निर्देशक डेविन डैनियल केटन की वापसी हो सकती है। उन्होंने कहा, 'योजनाएं हमेशा बनी रहती हैं'।



जाफर सुपरमैक्स में विल के साथ करेंगे काम

लॉस एंजिल्स। एक्टर जाफर जैक्सन ने अपने दिवंगत अंकल पॉपस्टार माइकल जैक्सन का किरदार उनकी बायोपिक में निभाया था। फिल्म में उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। एक्टर अब जल्द ही एक्शन थ्रिलर 'सुपरमैक्स' में विल स्मिथ के साथ नजर आएंगे। हालांकि, उनके किरदार की जानकारी फैस को अब तक नहीं दी गई है। मगर वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। कहानी दे एफबीआई एजेंट्स और उनकी जांच पर आधारित बताई जा रही है। जो एक उच्च सुरक्षा वाली जेल के अंदर एक असंभव सी लगने वाली हत्या की जांच करते हैं। यह दोनों किरदार विल स्मिथ और एना सोफिया रॉब निभाएंगे।



ललकारा में अब सिद्धांत निभाएंगे अहम रोल

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया, क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था। अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे।



बंटवारा की रिलीज से पहले पहुंचे गुरुद्वारा

मुंबई। एक्टर सनी देओल अपनी आने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' की रिलीज की तैयारी में जुटे हुए हैं। फिल्म के रिलीज से पहले एक्टर्स ने श्री पटना साहिब गुरुद्वारा जाकर आशीर्वाद लिए। इस दौरान के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आए वीडियो में सनी देओल गुरुद्वारे में गुरु गोबिंद सिंह जी के सामने प्रार्थना करते और कुछ समय ध्यान लगाते नजर आ रहे हैं। तख्त श्री पटना साहिब सिख धर्म का एक बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण स्थल है, क्योंकि यह गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मस्थान है। यह गुरुद्वारा सिखों के पांच तख्तों में से एक है और इसकी बहुत खास मान्यता है। यहां हर साल दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। दर्शन के बाद सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर भी तस्वीरें शेयर कीं।

टीवी मसाला

जैस्मिन ड्रामा क्वीन, करण वाही सबसे बड़े एंटरटेनर : अविका

नई दिल्ली। 'बालिका वधू' की 'आनंदी' अब 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सबसे मुश्किल जर्नी पूरी कर लौट चुकी हैं। केप टाउन से लौटने के बाद अविका गोर ने बातचीत में साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग दिए। अविका गोर ने किसी को 'ड्रामा क्वीन' बताया, किसी को सबसे बड़ा एंटरटेनर, तो किसी को सबसे खतरनाक खिलाड़ी। इसी बातचीत में उन्होंने सबसे मुश्किल स्टंट, पति मिलिंद चंदवानी के रिक्वेशन और अविनाश मिश्रा को लेकर बदली अपनी राय पर भी खुलकर बात की। साथी कंटेस्टेंट्स की बात छिड़ी तो अविका ने उन्हें अपने अंदाज में मजेदार टैग भी दे डाली। वह हंसे हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का टैग मैं जैस्मिन को दूँगी। वो पहले खुब रोती हैं, डरती हैं, लेकिन आखिर में स्टंट भी कर लेती हैं। इसलिए उनका ड्रामा भी मुझे प्यारा लगता है।' 'ओवरकोमिफेड' के सवाल पर अविका ने विशाल आदित्य सिंह का नाम लिया, लेकिन साथ ही साफ किया कि यह सिर्फ एक स्टंट की बात थी। 'एक स्टंट में विशाल जरूरत से ज्यादा कॉमिफेड हो गए थे, लेकिन मैं उन्हें ओवरऑल ओवरकोमिफेड नहीं कहूँगी।' 'अंडररेटेड' का टैग उन्होंने खुद को दिया। वहीं, 'डेजरस कॉम्पिटिटिव' के लिए उन्होंने अविनाश मिश्रा का नाम लेते हुए कहा, 'मुझे ऐस लोग बहुत पसंद हैं, जो हर चैलेंज के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।



दीपिका ने भर्तृहरि गुफा में किया शिव तांडव

नई दिल्ली। टीवी की फेमस एक्ट्रेस दीपिका सिंह इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध भर्तृहरि गुफा के दर्शन किए। यहां उन्होंने भगवान शिव को समर्पित करते हुए डांस भी किया। दीपिका ने बताया कि इस डांस के लिए उन्होंने पहले कोई तैयारी नहीं की थी। दरअसल, दीपिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक रील देखी थी, लेकिन गुफा में पहुंचने के बाद अचानक उनके मन में इस पर डांस करने का विचार आया। दीपिका ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, म नमः शिवाय, आप सभी को सावन के पहले सोमवार की शुभकामनाएं। मैंने भर्तृहरि गुफा में बैठकर कुछ देर ध्यान किया, यहां की शांति और सकारात्मक ऊर्जा ने मुझे डांस करने के लिए प्रेरित किया। डांस शुरू करने से पहले मैंने गुरु को याद किया, धरती को प्रणाम किया और फिर भगवान शिव को यह नृत्य अर्पित किया।



नई दिल्ली। किशोर कुमार कितने हरफनमौला थे, यह बताने की जरूरत नहीं है। चाहे फिल्मों के लिए प्लेबैक सिंगिंग हो, मजन गाना हो, गजल या फिर कव्वाली, उनका अंदाज सबसे जुड़ा होता है। किशोर कुमार अपने गीतों को 'योलिंग' और अलग-अलग आवाजों में गाने की क्षमता के लिए जाने जाते थे।

टेबल लेकर आओ, मैं लेटकर गाऊंगा : अब किशोर कुमार ठहरे किशोर कुमार। वह दो पल चुप रहे, फिर कहा, 'अगर वो एक शराबी है, नशे में है, तो सीधा रहकर तो गा नहीं सकता। एक काम करो मेरे लिए एक टेबल लेकर आओ। मैं लेटकर गाऊंगा।' किशोर दा की बात सुन सब चौंक गए। वहां मौजूद हर किसी को लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। बप्पी दा को भी ऐसा ही लगा। उन्होंने पहले तो किशोर दा की बात को अनसुना किया, लेकिन जब सिंगर अपनी मांग पर डटे रहे तो वह कुछ समझ नहीं पाए। इधर, किशोर दा बिना टेबल पर लेटे गाने को तैयार नहीं थे।

इन्तहा हो गई इंतजार की
बात साल 1984 में रिलीज फिल्म 'शराबी' की है। प्रकाश मेहरा के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म उस साल की ब्लॉकबस्टर थी। किशोर दा को करीब से जानने वाले बताते हैं कि वह बड़े मस्तीखोर शख्सियत थे। लेकिन मजाक-मजाक में भी अद्भुत काम कर जाना, उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। इसी मजाक-मजाक में उन्होंने यह सुपरहिट गाना 'इन्तहा हो गई इंतजार की' भी रिकॉर्ड किया था। इसका किस्सा खुद दिग्गज सिंगर आशा भोसले ने भी एक इंटरव्यू में बताया था। आशा ताई बताती हैं कि उस दिन रिकॉर्डिंग रूम में वह भी मौजूद थीं। बप्पी दा भी थे। तभी किशोर दा वहां पहुंचते हैं और पूछते हैं कि गाने की सिव्केशन क्या है। बप्पी दा ने कहा- एक शराबी आशिक है, जो अपनी महबूबा के लिए नशे में गाना गा रहा है। उसका इंतजार कर रहा है।

जिद के आगे सब हार गए

खेर, कुछ मिनटों में सब किशोर दा की जिद के आगे हार गए। टेबल मंगवाया गया। मजेदार बात यह कि टेबल आते ही, वह सच में उस पर स्मूजिशियन्स की तरफ करवट लेकर लेट गए। अपने हाथ को सिर के नीचे रखा, पैर पर पैर चढ़ाया और इस तरह एक तरफ करवट के साथ माइक मंगा।



आते ही उन्होंने एक शराबी के अंदाज में हिचकी लेते हुए पहली लाइन गाई- आई ना कुछ खबर, मेरे यार की...

दर्शकों को सीधे डर के आगोश में ले जाती हैं दहशत भरी दुनिया रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा करने वाली हैं ये डरावनी फिल्में

नई दिल्ली। आने वाले वीकेंड एंटरटेनमेंट में अगर आप थ्रिल, सस्पेंस और डर का टच जोड़ना चाहते हैं, तो सिनेमा की दुनिया में ऐसी बहुत सी फिल्में हैं जो आपके रोंगटे खड़े कर सकती हैं। चाहे वह तुम्बाडू की पौराणिक कहानी हो, स्त्री की लोकल हॉरर हो या 1920'का गॉथिक सस्पेंस हो, ये कहानियां दर्शकों को सीधे डर के आगोश में ले जाती हैं। द कॉन्ज्यूरिंग की सच्ची घटनाएं, रात की कल्ट साइलेंस और परी का डार्क साइकोलॉजिकल माहौल आपको रात भर जगाए रखेगा।

स्त्री : 2018 में रिलीज हुई 'स्त्री' हॉरर और कॉमेडी का एक अनोखा मिक्सचर है। चंडेरी शहर की मशहूर लोककथा 'ओ स्त्री कल आना' पर आधारित यह फिल्म एक चुड़ैल की कहानी बताती है, जो व्योहारों के दौरान रात के अंधेरे में आदमियों को किडनेप कर लेती है। अमर कोशिक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर हैं। यह फिल्म न सिर्फ आपको डराती है, बल्कि एक डरावना टर्नर और एक जबरदस्त सोशल मेसेज भी देती है। इसका अनोखा सस्पेंस और इंडियन प्लेवर इसे हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एक क्लासिक बनाते हैं।



तुम्बाडू : तुम्बाडू को इंडियन सिनेमा की सबसे बेहतरीन हॉरर-फैंटेसी फिल्मों में से एक माना जाता है। राही अगिल बर्वे के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म

महाराष्ट्र के तुम्बाडू गांव के एक परिवार के पौराणिक राक्षस 'हस्तर' के डर और कभी न खत्म होने वाले लालच पर आधारित है। मेन कैरेक्टर विनायक अपने पुश्तैनी खजाने की तलाश में एक भयानक श्राप का सामना करता है। लगातार बारिश, शानदार सिनेमैटोग्राफी और नर्मी वाला माहौल देखने वालों में डर का गहरा एहसास पैदा करता है। यह फिल्म सिर्फ एक भूत की कहानी नहीं है, बल्कि इसानी लालच के भयानक नतीजों का एक विजुअल मास्टरपीस है। **1920 :** विक्रम भट्ट के डायरेक्शन में बनी '1920' इंडियन सिनेमा की एक क्लासिक गॉथिक हॉरर फिल्म है। 20वीं सदी की शुरुआत में सेट यह कहानी अर्जुन और ललिता की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए अपना घर छोड़ देते हैं और एक पुरानी, ऐतिहासिक हवेली में रहने वाले जाते हैं। हवेली में घुसते ही ललिता पर एक बुरी और शापित आत्मा का कब्जा हो जाता है। फिल्म में विश्वास, प्यार और सुपरनैचुरल शक्तियों के बीच की भयानक लड़ाई दिखाई गई है।

परी : अनुष्का शर्मा स्टारर 'परी' (2018) एक डार्क और इंटेंस साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है, जो ट्रैडिशनल भूतिया कहानियों से हटकर है। प्रोसियर रॉय के डायरेक्शन में बनी यह कहानी अर्धब नाम के एक सीधे-सादे आदमी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जंगल में जर्जरों से बंधी रुक्साना (अनुष्का) नाम की एक रहस्यमयी लड़की को घर लाता है। बाद में पता चलता है कि रुक्साना का एक डरावने शैतानी पंथ (हफ़िट) से कनेक्शन है।

द कॉन्ज्यूरिंग : जेम्स वान के डायरेक्शन में बनी 'द कॉन्ज्यूरिंग' हॉलीवुड की सबसे डरावनी और मशहूर हॉरर फिल्मों में से एक है। यह फिल्म असल जिंदगी के पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर एड और लोरेन वॉरेन की केस फाइलों पर आधारित है। कहानी पैरेन परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक नए फार्महाउस में जाते हैं और एक डरावनी सुपरनैचुरल ताकत का शिकार बन जाते हैं। बिना किसी फालतू खून-खराबे के यह फिल्म अपने सस्पेंस, साउंड इफेक्ट और विजुअल्स से डर का एहसास कराती है।

रात : राम गोपाल वर्मा के डायरेक्शन में बनी 'रात' को इंडियन हॉरर सिनेमा की एक कल्ट क्लासिक माना जाता है। रेवती स्टारर यह फिल्म एक ऐसे परिवार की कहानी बताती है जो एक नए घर में जाता है और उनकी बेटी एक शक्ति बिल्ली की आत्मा के असर में आ जाती है। 90 के दशक में बनी इस फिल्म की सबसे बड़ी खूबी इसका साउंड डिजाइन और इन्वोटेविव कैमरावर्क था, बिना किसी बड़े विजुअल इफेक्ट के भी, यह फिल्म घर के आम माहौल में इतना डर पैदा करती है कि देखने वाला अकेले रहने से डरने लगता है।

Dr. Juneja's®

पेट सफा

Natural Laxative GRANULES & TABLETS

कब्ज़ • गैस

एसिडिटी

पेट सफा तो हर रोग दफा

24x7 Helpline 91197 88888
www.petsaafa.com
Available at all medical & general stores

दिविसा हर्बल केयर प्रस्तुत करते हैं

पेट सफा आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स एवं टेबलेट्स, जिसे सेवन करना है बिल्कुल आसान, और परिणाम है पहले दिन से

Clinically Tested®

THE MOVING AND SHINING

इसकी आदत भी नहीं बनती

Divisa

www.divisacare.com

पनागर हाईस्कूल विलय मामला: कठोर कार्रवाई पर रोक

हाईकोर्ट से याचिकाकर्ताओं के बच्चों को राहत

कोर्ट की तल्ल टिप्पणी- जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट नहीं किया कि 10 किमी दूर स्कूल क्यों शिफ्ट किया गया

जबलपुर। पनागर स्थित 100 वर्ष पुराने शासकीय वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल को 10 किलोमीटर दूर सिंगोद सांदिपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विलय करने के कलेक्टर जबलपुर के 14 जुलाई 2026 के फैसले से जुड़े मामले में हाईकोर्ट ने नया आदेश जारी किया है। ताजा सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने या चि का क त र् अभिभावकों के बच्चों को बड़ी राहत देते हुए निर्देश दिया है कि सिंगोद स्थित स्कूल में उपस्थित न होने पर उनके खिलाफ कोई भी कठोर या दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश निर्देशों को देखकर जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने पाया कि जबलपुर के जिला शिक्षा अधिकारी ने यह स्पष्ट ही नहीं किया है कि आखिर पनागर के वरिष्ठ बुनियादी हाई स्कूल की कक्षा 6वीं से 10वीं तक के बच्चों को 10 किलोमीटर दूर सिंगोद स्थानांतरित करने का निर्णय किस आधार

पर और क्यों लिया गया। कोर्ट के रुख को देखते हुए राज्य के अधिकवक्ता ने आश्वस्त किया कि इस संबंध में विस्तृत काउंटर शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला?

पनागर निवासी नीलम श्रीवास्तव, जयसिंह खंगार एवं सोनी लाल प्रजापति की ओर से दायर इस याचिका में अधिकवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने तर्क दिया कि पनागर एक नगरीय क्षेत्र है, जबकि सिंगोद यहाँ से 10 किलोमीटर दूर ग्रामीण अंचल में है। छठवीं से दसवीं कक्षा तक के लगभग 300 छोटे बच्चों को रोजाना 20 किमी (आना-जाना) सफर करने के लिए मजबूर करना व्यावहारिक और आर्थिक रूप से गैर-व्यवहारिक है। अधिकांश बच्चे गरीब परिवारों से हैं और इतनी दूर जाने में असमर्थ हैं। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि याचिका में याचिकाकर्ताओं के जिन बच्चों के नाम दर्ज हैं, वे यदि सिंगोद स्थित स्कूल में उपस्थित नहीं होते हैं, तो अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ कोई भी प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी। जवाबत में राज्य सरकार को अगली तारीख से पहले विस्तृत जवाब, शपथ पत्र दाखिल करने का आदेश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त 2026 से शुरू होने वाले सप्ताह में तय की है।

अवकाश में हुई गड़बड़ी की वसूली संस्था प्रमुख से नहीं : हाईकोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में वित्तीय अनियमितता के मामले में अहम फैसला सुनाया है। जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच ने कहा कि किसी अधिकारी के अवकाश के दौरान हुए गलत भुगतान के लिए केवल संस्था प्रमुख होने के आधार पर उस पर प्रतिनिधिक दायित्व तय नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने नईगढ़ी, रीवा की तत्कालीन परियोजना अधिकारी ए सुखू के खिलाफ तीन लाख 60 हजार 450 रुपये की वसूली का आदेश निरस्त कर दिया। मामले में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 92 अपात्र महिलाओं को चार लाख 31 हजार रुपये का भुगतान किया गया था। विभाग ने अधिकारी से 3.60 लाख रुपये की वसूली का आदेश 31 जनवरी 2023 को जारी किया था। उनकी अपील उप सचिव, मध्य प्रदेश शासन ने 30 मई 2023 को निरस्त कर दी थी। दरअसल, याचिकाकर्ता 10 अगस्त से नौ अक्टूबर, 2019 तक चिकित्सीय अवकाश पर थीं।

मीनाक्षी नटराजन की याचिका पर राज्य सरकार, चुनाव आयोग व तीन राज्यसभा सांसदों को नोटिस

11 अगस्त को अगली सुनवाई

जबलपुर। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन द्वारा दायर की गई चुनाव याचिका को मप्र हाईकोर्ट ने के याचिका को विचार योग्य माना है। जस्टिस बी.पी. शर्मा की सिंगल बेंच ने इस मामले में राज्य सरकार, रिटनिंग ऑफिसर, भारत निर्वाचन आयोग, मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और भाजपा की ओर से निर्विरोध निर्वाचित तीनों राज्यसभा सदस्यों तरुण चुप, रजनीश कुमार अग्रवाल व महेश केवल को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को तय की गई है।

याचिका में मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र को निरस्त करने की प्रक्रिया को पूरी तरह से गैर-कानूनी और चुनाव नियमों के विपरीत बताया गया है। कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिकवक्ताओं ने तर्क दिया कि जिस निजी शिकायत को आधार बनाकर नामांकन खारिज किया गया, उस पर किसी न्यायालय

ने संज्ञान नहीं लिया था और न ही आरोप तय हुए थे, इसलिए कानूनी रूप से उस जानकारी का खुलासा करना अनिवार्य नहीं था। इसके अतिरिक्त, रिटनिंग ऑफिसर ने याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने या स्पष्टीकरण देने का उचित अवसर दिए बिना ही नामांकन रद्द कर दिया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है। याचिका में पूरी चुनाव प्रक्रिया और निर्विरोध निर्वाचन की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि यदि उनका नामांकन गलत तरीके से खारिज न होता तो चुनाव की नौबत आती, जिससे प्रतिनिधियों को मतदान का संवैधानिक अवसर प्राप्त होता। आरोप लगाया गया है कि अन्य उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच में समान मापदंड नहीं अपनाए गए और हलफनामों में कथित कमियों के बावजूद उनके नामांकन स्वीकार कर लिए गए।

चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा, जबलपुर रेल्वे स्टेशन पर मिला त्वरित उपचार

जबलपुर। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से मऊ जा रही गोदान एक्सप्रेस में देर रात एक गर्भवती महिला यात्री की अचानक तबियत बिगड़ गई, जैसे ही रेल प्रशासन को इसकी जानकारी लगी, वैसे ही ट्रेन के जबलपुर स्टेशन पहुंचने पर रेल कर्मचारियों ने त्वरित उपचार मुहैया कराया और उसकी हालत देखते हुए महिला को तत्काल एलिंगन हास्पिटल पहुंचाकर भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेल मदद 139 के माध्यम से रेल प्रशासन को सूचना प्राप्त हुई कि लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) से गोरखपुर जा रही गोदान एक्सप्रेस के कोच एस-7 में यात्रा कर रही गर्भवती महिला को अचानक तेज प्रसव पीड़ा हो रही है। उक्त सूचना मिलते ही जबलपुर स्टेशन प्रबंधन ने तत्काल रेलवे चिकित्सालय से संपर्क कर स्टेशन पर आवश्यक चिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित की। जिसके चलते ट्रेन के जबलपुर स्टेशन पहुंचते ही रेलवे की महिला चिकित्सक अपनी टीम, के साथ मौके पर पहुंची और ट्रेन के पहुंचते ही महिला यात्री का तत्काल स्वास्थ्य परीक्षण किया जिसके बाद महिला की स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई। इसके बाद रेलवे प्रशासन ने रेलवे एंबुलेंस की व्यवस्था कर महिला को सुरक्षित रूप से रानी दुर्गावती अस्पताल (एलिंगन हास्पिटल) भेजा, जहाँ उसका आगे का उपचार प्रारंभ कराया गया। महिला यात्री 26 वर्षीय रागिनी अपने पति एवं एक छोटे बच्चे के साथ लोकमान्य तिलक टर्मिनस से मऊ जंक्शन की यात्रा कर रही थीं। महिला के परिजनों ने जबलपुर रेल मंडल, रेलवे चिकित्सकीय टीम तथा रेल मदद 139 की त्वरित एवं मानवीय सहायता के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

घायल के साथ पहुंचे युवकों की अभद्रता से बिफरे मेडीकल के डॉक्टर

काम बंद कर दिया प्रदर्शन सुरक्षा व्यवस्था की मांग

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर में सीमवार की देर रात लगभग डेढ़ बजे ऑन-ड्यूटी रेजिडेंट डॉक्टरों और एक घायल को लेकर पहुंचे निजी कालेज के छात्रों के बीच वाद विवाद व कथित मारपीट की घटना को लेकर मेडीकल के जुड़ा डॉक्टरों का गुस्सा फूट पड़ा। रात में हुई इस घटना के विरोध तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने व अस्पताल प्रबंधन की अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को सुबह काम बंद करने के साथ ही डीन कार्यालय के समक्ष बड़ी संख्या में एकत्र होकर

जमकर प्रदर्शन किया। मेडीकल प्रबंधन की समझझाईश व आश्वासन पर डॉक्टरों का गुस्सा शांत हुआ और तब उक्त धरना व विरोध प्रदर्शन समाप्त हो सका। मेडीकल

के रेजिडेंट डॉक्टर दीपक त्रिपाठी ने रात में हुए विवाद के संबंध में बताया कि देर रात लगभग 1:30 बजे ऑन-ड्यूटी सर्जरी और ऑर्थो के रेजिडेंट डॉक्टरों के पास लगभग

8 से 10 युवा जो शराब के नशे में थे, एक घायल मरीज को लेकर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि जब ड्यूटी डॉक्टरों ने मरीज की चोट और सामान्य स्वास्थ्य से संबंधित सवाल पूछे, तो घायल के साथ आए युवकों ने बहस शुरू कर दी और जबबर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। जब उन्हें वीडियो बनाने से मना किया गया तो आरोपियों ने ड्यूटी डॉक्टर की कॉलर पकड़कर थपड़ मारा और सीने पर लत से वार किया। आरोपित है कि इस दौरान वहां मौजूद महिला डॉक्टर और दो अन्य जूनियर डॉक्टरों के साथ भी अभद्रता की गई। रेजिडेंट डॉक्टरों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है वरन् पिछले 10 दिनों में मेडीकल में ही डॉक्टरों के साथ

अभद्रता और मारपीट का यह लगभग तीसरा मामला है। उन्होंने मांग की कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और डॉक्टरों को सुरक्षित माहौल मिले। रेजिडेंट डॉक्टरों ने कहा कि अस्पताल परिसर में पूरुषा सुरक्षा तैनात की जाए और आरोपियों पर इस्टीमेशनल एफआरआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई हो। वहीं मरीज के साथ आने वाले 8-10 अटेंडर्स की भीड़ के कारण अक्सर अव्यवस्था और विवाद की स्थिति बनती है। मांग की गई है कि प्रति मरीज अधिकतम 2 अटेंडर्स को ही प्रवेश दिया जाए। इस मामले में गढ़ा पुलिस ने बताया कि रात में एक निजी कालेज के छात्रों और डाक्टरों के बीच विवाद हुआ था, लेकिन दोपहर तक किसी भी पक्ष ने एफआईआर दर्ज नहीं कराई है।

हाईकोर्ट ने 14 जुलाई के आदेश पर लगाई अंतरिम रोक, जांच रिपोर्ट तक कर्मचारियों को राहत

रादुविवि में नियमितीकरण पर कुलगुरु की रोक बेअसर

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के नियमितीकरण को निर्बाधित करने के कुलगुरु के आदेश पर मप्र हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस विशाल धगत की सिंगल बेंच ने शरद सिंह कौशिक सहित अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि फिलहाल नियमितीकरण में अनियमितता साबित करने वाला कोई ठोस आधार रिकार्ड पर नहीं है। जांच समिति की अंतिम रिपोर्ट आने तक 14 जुलाई, 2026 का आदेश प्रभावी नहीं रहेगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से

नियमितीकरण प्रक्रिया को विधिसम्मत बताते हुए कर्मचारियों के अधिकार बहाल रखने की मांग की गई। वहीं कैविएटर अधिकवक्ता स्वर्णिल गांगुली ने अनियमितता की आशंका और जांच समिति के गठन की जानकारी दी। राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिकवक्ता हितेंद्र सिंह उपस्थित हुए। कोर्ट ने कर्मचारियों को अंडरटैकिंग देने की शर्त पर राहत दी है। जांच रिपोर्ट उनके विरुद्ध आने पर उन्हें अंतर राशि वापस करनी होगी। अगली सुनवाई सात सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में होगी।

उपभोक्ता मंच ने पटवारी संघ व कलेक्टर को नोटिस भेजा

पटवारियों की हड़ताल जनहित के खिलाफ

जबलपुर। प्रदेश भर में चल रही पटवारियों की हड़ताल को लेकर आम नागरिकों को ह्रा रही परेशानी पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने सवाल उठाए। मंच का कहना है कि इसके

पूर्व तहसीलदार एवं नयाब तहसीलदारों की हड़ताल वर्ष 2025 में हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका वापिस ली गई थी। वर्तमान में पटवारियों की हड़ताल से लोग तहसीलों में गंठक रहे हैं। लिहाजा पटवारियों की हड़ताल 48 घंटे के भीतर वापिस ली जाए। मंच ने वेतावनी दी है कि ऐसा नहीं होने पर व्यायालय की शरण ली जायेगी।

इस आशय का नोटिस मंगलवार को नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने प्रदेश तथा जिला पटवारी संघ एवं कलेक्टर जबलपुर को भेजा है। नोटिस में बताया कि पटवारियों की हड़ताल के कारण सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, खसरा सुधार और अन्य राजस्व कार्य प्रभावित हुए हैं, अतः यह हड़ताल जनहित के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट तथा अन्य न्यायालयों ने ऐसे हड़तालों के खिलाफ कई निर्णय दिए हैं। पूर्व में तहसीलदार एवं तहसीलदारों ने वर्ष 2025 में समूचे प्रदेश में हड़ताल की थी। इस हड़ताल के खिलाफ मप्र हाईकोर्ट में जनहित याचिका नंबर डब्ल्यू पी 32387/205 दायर की गई थी। बाद में यह हड़ताल वापिस हुई है। डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने नोटिस में प्रशासन से मांग की वह यह हड़ताल वापिस लेने हेतु तत्काल कदम उठाए।

अब तय किराए पर मिलेगी परिवहन सेवा

डुमना एयरपोर्ट पर प्रीपेड टैक्सी बूथ शुरू

जबलपुर। डुमना एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों की मजमाती और यात्रियों से अधिक किराया वसूलने की शिकायतों पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन, जबलपुर

पुलिस और एयरपोर्ट प्रबंधन ने संयुक्त पहल करते हुए प्रीपेड टैक्सी बूथ को शुरुआत की है। नई व्यवस्था के तहत अब यात्रियों को निश्चित दरों पर टैक्सी उपलब्ध होगी और पूरे सिस्टम की निगरानी जबलपुर पुलिस करेगी। प्रशासन ने शहर के विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के लिए किराया तय कर दिया है। यात्रियों की सुविधा के लिए

एयरपोर्ट परिसर में प्रमुख स्थानों पर किराया सूची प्रदर्शित की गई है, ताकि किसी प्रकार की क्षम या अतिरिक्त वसूली की स्थिति न बने। प्रीपेड टैक्सी बूथ पर सुबह से शाम तक कर्मचारियों की तैनाती रहेगी। यात्री को गंतव्य के अनुसार प्रीपेड पर्ची जारी की जाएगी और टैक्सी चालक उसी स्थान तक यात्री को पहुंचाएगा। यात्रा पूरी होने के बाद भुगतान प्रीपेड व्यवस्था के माध्यम से किया जाएगा, जिससे किराए को लेकर विवाद की संभावना समाप्त होगी। सीधेसपी सतीश साहू ने बताया कि यात्रियों से लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर यह व्यवस्था लागू की गई है। यदि इसके बाद भी किसी यात्री को टैक्सी सेवा या निराश्रित किराए से संबंधित कोई शिकायत होती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

जबलपुर और भोपाल में 'घेरा डालो-डेरा डालो' का ऐलान

चुटका समेत बड़ी परियोजनाओं के विरोध में आंदोलन तेज

जबलपुर। मंडला जिले की प्रस्तावित चुटका परमाणु विद्युत परियोजना सहित आदिवासी क्षेत्रों में प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं के विरोध में आंदोलन अब तेज होने जा रहा है। चुटका गांव में आयोजित महा बैठक में आदिवासी, किसान, महिलाएं, युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से जबलपुर और भोपाल में 'घेरा डालो-डेरा डालो' आंदोलन चलाने का निर्णय लिया। बैठक में जल, जंगल, जमीन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक जनजागरण अभियान शुरू करने का भी ऐलान किया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि चुटका परमाणु परियोजना, बसनिया (ओढ़ारी) बहुउद्देशीय बांध, अपर बुढ़नेर बांध, नारायणगंज और बीजाडांडी क्षेत्र की प्रस्तावित पम्प स्टोरेज (हाइड्रो पावर) परियोजनाएं तथा राजा दलपत शाह अभयारण्य जैसी योजनाओं से हजारों आदिवासी और किसान परिवारों के विस्थापन का खतरा पैदा हो गया है। वहीं बीजाडांडी और नारायणगंज क्षेत्र के किसान पिछले एक दशक से बरगी बांध से लिफ्ट सिंचाई परियोजना लागू करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन वर्ष 2023 में घोषणा के बावजूद अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मोले सिंह गोठरिया ने प्रस्ताव रखा कि शंकरशाह और रघुनाथ शाह की बलिदान भूमि जबलपुर से संघर्ष का शंखनाद किया जाए तथा लंबी लड़ाई की तैयारी के साथ जबलपुर और भोपाल में 'घेरा डालो-डेरा डालो' आंदोलन चलाया जाए। इस प्रस्ताव का उपस्थित लोगों ने हाथ उठाकर समर्थन किया। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के विवेक अक्स्थी ने भी प्रस्तावित आंदोलन को अपना समर्थन दिया। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि संविधान की पांचवीं अनुसूची, पैसा कानून-1996 और वनाधिकार कानून-

2006 आदिवासी समुदायों को जल, जंगल और जमीन पर पारंपरिक अधिकार प्रदान करते हैं। अनुसूचित क्षेत्रों में किसी भी विकास परियोजना के लिए ग्राम सभा की स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति अनिवार्य है। ग्राम सभा को कमजोर करना संविधान की भावना और आदिवासी स्वशासन की अवधारणा पर सीधा प्रहार होगा। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि आदिवासी समाज विकास का विरोधी नहीं है, बल्कि ऐसे विकास का विरोध करता है जो लोगों को उनकी जमीन, जंगल, संस्कृति और आजीविका से बेदखल कर दे। सरकार से मांग की गई कि सभी परियोजनाओं में संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थानीय समुदायों की सहमति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में क्षेत्रीय विधायक चेत सिंह बरकड़े, पूर्व विधायक डॉ. अशोक मसंकोले, जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र बरकरे, पुष्पा मरकाम, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू भलावी, उपाध्यक्ष विजेन्द्र यादव, जनपद सदस्य राजेंद्र पुट्टा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, किसान, आदिवासी और सिवनी जिले से आए लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राजकुमार सिन्हा ने किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) - 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश) - 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240